भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 44 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 अगस्त 2025 रविवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

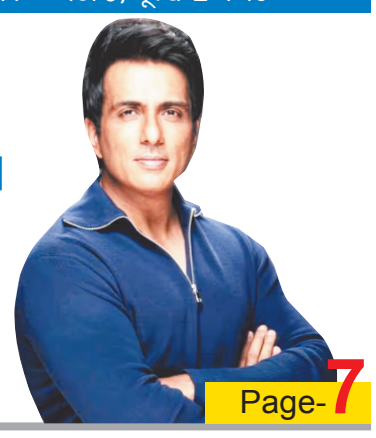

Page-7

जिला अध्यक्षों के ऐलान का संकेत- जीतू पटवारी के वास्ते खाली कर दो रास्ते?

डेढ़ साल बाद कांग्रेस को मिले जिलाध्यक्ष मंथन से *विष* निकला ज्यादा, अमृत कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के जून में शुरू हुए संगठन सृजन अभियान का पहला नतीजा जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के रूप में सामने आया है। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जीतू पटवारी के डेढ़ साल से अधिक के कार्यकाल में अब जाकर जिलों में अध्यक्ष बने हैं। कहा जा सकता है कि देर से ही सही, राहुल ब्रिगेड से आए पटवारी ने स्वयं को फ्री हैंड मिलने का संकेत दिया है लेकिन नियुक्तियों के लिए हुए मंथन से अमृत कम, विष अधिक निकला है। जिलाध्यक्षों की घोषणा के साथ ही राजधानी भोपाल सहित सतना, गुना, बुरहानपुर, डिंडौरी सहित कई जिलों से जिलाध्यक्षों की नियुक्ति लेकर भारी विरोध के स्वर उठे हैं। सूची में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं कमलनाथ,दिग्विजय सिंह के समर्थकों को भी कुछ जगह मिली है। वहीं अजय सिंह सिंह को सिर्फ सीधी तक सीमित कर दिया गया है, जबकि अरूण यादव के समर्थक दरकिनार हैं। खरगोन में ही उनके न चाहते हुए भी रवि जोशी समर्थक को जिम्मेदारी दी गई है। कुछ विधायकों को भी जिलों की कमान मिली है। इनमें ओंकार सिंह मरकाम,जयवर्धन सिंह,सिद्धार्थ कुशवाह,महेश परमार शामिल हैं। ओंकार सिंह का नाम इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि वे पार्टी की सर्वोच्च बॉडी एआईसीसी के सदस्य हैं।

खुलकर सामने आए विरोध की बानगी भोपाल से ही देखी जा सकती है। यहाँ आश्चर्यजनक रूप से प्रवीण सक्सेना को रिपीट किया गया है जो कि नगर निगम के बड़े ठेकेदार हैं और सरकार के कद्दावर मंत्री के करीबी बताए जाते हैं। यहां से मजबूत दावेदारी कर रहे मोनू प्रदीप सक्सेना ने सोशल मीडिया पर पार्टी के सृजन को विसर्जन बताया है। वहीं, भोपाल ग्रामीण में भी अनोखी पटेल को दोहराया गया। यह भी कहा जा रहा है कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में कांग्रेस ने ऐसे नेताओं को भी जिलों की कमान दी है। जो उस जिले के मूल निवासी नहीं हैं या फिर लंबे समय से उस क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। इसमें प्रतिभा रघुवंशी का नाम उभरा है जो पूरी तरह से गुना शिफ्ट हो चुकी हैं और युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भी हैं, उन्हें खंडवा शहर अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह मनीष चौधरी भी लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में काम कर रहे हैं लेकिन देवास ग्रामीण में लंबे समय की कमान उनके पास है।

उधर सतना में सिद्दार्थ कुशवाहा के चयन पर कहा जा रहा है कि पार्टी ने बीजेपी से आयातित इसी परिवार को जिले की कमान सौंप दी है। विधायक और सांसद के टिकिट भी उनके और जिला अध्यक्ष भी उनका। एक दिलचस्प मामला खंडवा का भी है। यहां प्रदेश सरकार के मंत्री और कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादस्पद बयान देने वाले विजय शाह के करीबी उत्तम सिंह पूर्णी ग्रामीण अध्यक्ष बने हैं। उनके पिता पूर्व विधायक राजनारायण सिंह लम्बे समय तक शाह का ही मुकाबला करते रहे थे। इसके अलावा इंदौर ग्रामीण के अध्यक्ष बनाए गए पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े आगर से

राजनारायण सिंह पूर्णी द्वारा मंत्री विजय शाह को पगड़ी पहनाते हुए फोटो शेयर किया जा रहा है। इसमें खंडवा ग्रामीण के जिला अध्यक्ष बनाए गए उत्तम सिंह पूर्णी भी दिखाई दे रहे हैं।

विधायक रहे हैं और वे इंदौर शहर में रहते हैं। राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं। उधर उमरिया के जिलाध्यक्ष बने विजय कोल की पत्नी भोपाल में पदस्थ बताई जाती हैं। लिहाजा वे ज्यादातर समय भोपाल में ही रहते हैं। सागर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष बने भूपेन्द्र सिंह मोहासा को लेकर भी चर्चा है कि उनकी सक्रियता सागर ग्रामीण में न के बराबर है मगर पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर के दामाद होने का उन्हें फायदा मिला है। खास बात यह है कि आदिवासी वर्ग के जिलों डिंडोरी में विधायक ओमकार सिंह मरकाम, मंडला में पूर्व विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले को दी गई है। जबकि माना जाता है कि भाजपा व कांग्रेस दोनों ही आदिवासी क्षेत्रों में पार्टी संगठन की कमान ज्यादातर गैर आदिवासी वर्ग को इसलिये देते आये हैं क्योंकि पंचायत से लेकर संसद तक बहुत से पद आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित होते हैं। ऐसे में इन जिलों की गैर आदिवासी आबादी को साधने के लिए गैर आदिवासी नेताओं को पार्टी संगठन की कमान दी जाती है।

जिला दर जिला विरोध का दौर : बुरहानपुर में जिलाध्यक्ष की दावेदारी करने वाले हेमंत पाटिल ने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि - मैं अपने सभी पदों से इस्तीफा देता हूं, कार्यकर्ता था और कार्यकर्ता हूं। इसी तरह सतना शहर में इकबाल सिद्दीकी को अध्यक्ष बनाने पर युंका कांग्रेस जिलाध्यक्ष मशहूद अहमद शेरू ने लिखा- सतना शहर अध्यक्ष बने सिद्दीकी का मोबाइल नंबर या फोटो हो तो देने की कृपा करें। मुझे उनको बधाई देनी है। उधर डिंडोरी में विधायक ओंकार सिंह मरकाम को अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस नेता अजय साहू ने लिखा है कि डिंडोरी जिला के सभी ब्लाकों में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का पुतला दहन होगा, एक अन्य नेता राजेश मरावी ने लिखा- जिसको जनता उप मुख्यमंत्री या आदिवासी मुख्यमंत्री के रूप में देख रही थी उसे कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बना दिया गया,गजब की राजनीति है।

सोशल मीडिया के पॉलीटिकल अड्डा प्लेटफॉर्म पर सिद्धार्थ कुशवाह के फोटो के साथ लिखा गया- 'सतना में कांग्रेस ने एक ही व्यक्ति पर सब कुछ दांव लगा दिया! आज सिद्धार्थ कुशवाहा को सतना कांग्रेस का जिला अध्यक्ष बना दिया गया। इसके पहले पार्टी ने महापौर विधानसभा तथा लोकसभा का टिकट भी इन्हीं को थमाया। यहां तक कि मप्र पिछड़ा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष भी इन्हीं को बनाया गया।'

सरगर्मी के बीच राहुल की बिहार में 13 सौ किमी की यात्रा शुरू

पटना, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज बिहार के सासाराम से अपनी 16 दिन की और लगभग 1300 किलोमीटर की 'वोटर अधिकार यात्रा' की शुरुआत कर रहे है। इस यात्रा को विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले 'वन पर्सन, वन वोट' के सिद्धांत की रक्षा के लिए एक बड़ा अभियान बता रहा है। यात्रा आगामी एक सितंबर को पटना में एक मेगा रैली के साथ समाप्त होगी। इससे पहले राहुल आज यात्रा शुरू करने के लिए दिल्ली से सासाराम पहुंचे। इस मौके पर राजद नेता लालू यादव व तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हैं। विपक्ष इस यात्रा के जरिए सरकार पर 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सीधा हमला करने की रणनीति बना रहा है। उल्लेखनीय है कि बिहार में गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) व पैंसठ लाख वोट काटे जाने को लेकर भारी सियासी गहमागहमी है। यह यात्रा बिहार के 20 जिलों से होकर गुजरेगी, जिनमें औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सीवान, छपरा और आरा शामिल हैं। यात्रा के दौरान राहुल 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की तरह पदयात्रा और रोड ट्रैवल के जरिए वोटर्स तक पहुंचेंगे।

वाशिंगटन में नेशनल गार्डस की तैनाती से बढ़ रहा तनाव

अब पुलिस सीधे ट्रंप के नियंत्रण में

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब राजधानी वॉशिंगटन डीसी में और ज्यादा गार्ड तैनात करने की तैयारी में हैं। उनके आदेश पर वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना और ओहियो के गवर्नरों ने शनिवार को अपने राज्यों के नेशनल गार्ड्स को वॉशिंगटन भेजने की घोषणा की है। वेस्ट वर्जीनिया से करीब चार सौ, साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से करीब 150 नेशनल गार्ड पहुंच रहे हैं। अभी वाशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं। इन्हें सीधा ट्रम्प कंट्रोल करते हैं हालांकि नेशनल गार्ड्स की तैनाती को लेकर लोग नाराज हैं और विरोध प्रदर्शन हुआ है। इससे पहले 12 अगस्त को ट्रम्प ने वॉशिंगटन को केंद्र सरकार के कंट्रोल में ले लिया था। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात काबू से बाहर हैं। उन्होंने %डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया होम रूल एक्ट की धारा 740% लागू कर दी है। यानी मेट्रोपॉलिटन पुलिस अब सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में काम करेगी।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी में आज रविवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था। इससे अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। मगर अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी इंडोनेशिया के पूर्वी पापुआ क्षेत्र में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसका केंद्र पापुआ के अबेपुरा शहर से लगभग 193 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। गौरतलब है कि यह द्वीपसमूह प्रशांत महासागर के %रिंग ऑफ फायर% का हिस्सा है, यहां टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से अक्सर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं।

एल्विश यादव के घर 25 राउंड फायरिंग से सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बॉस विनर तथा यूट्यूबर और एक्टर एल्विश यादव के घर पर गुरुग्राम के सेक्टर 57 में तड़के करीब 6 बजे के बीच जोरदार फायरिंग हुई है। घर के पास बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाश आए और दो दर्जन से ज्यादा राउंड फायरिंग करने के बाद मौके से फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। एल्विश उस वक्त घर पर मौजूद नहीं थे। फायरिंग के बाद तुरंत गुरुग्राम पुलिस के बड़े अधिकारी वहां पहुंचे और जांच शुरू की।

तबाही के बादल फटे, कई मौतें, रास्ते बंद, रेलवे ट्रैक बाधित

कश्मीर व कुल्लू में 19 तक खतरा

श्रीनगर/नई दिल्ली।, एजेंसी

मानसून ने नयी आफतों के साथ देशभर में अपना नया 'राउंड' शुरू कर रखा है। आज सुबह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से तबाही का मंजर है। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की यह तीन दिन में दूसरी घटना है। आज कठुआ जिले में बॉर्डर से सटे इलाके में तीन जगह बादल फटा है। इससे जोद घाटी इलाके में 7 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। जोद के अलावा मथरे चक, बगार्ड-चंगड़ा और दिलवान-हुटली में भी लैंडस्लाइड हुई। 14 अगस्त को भी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चसोटी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। इन घटनाओं से नेशनल हाईवे पर कई जगह पर सड़क को नुकसान पहुंचा है। रेलवे ट्रैक भी बाधित है। वहीं हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश में तबाही नहीं थम रही। आज सुबह 4 बजे के करीब कुल्लू के टकोली में बादल फटा। पनारसा, नगवाई में भी फ्लैश फ्लड के बाद चारों तरफ मलबा बिखरा है। उधर मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में 19 अगस्त तक तेज बारिश की संभावना जताई है। 11 जिलों जम्मू, रियासी, उधमपुर, राजौरी, पुंछ, सांबा, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, रामबन और कश्मीर के कुछ हिस्सों में बादल फटने और लैंडस्लाइड की भी चेतावनी है।

मप्र के 14 जिलों में मानसून सक्रिय

मप्र के 14 जिलों में आज भारी बारिश का दौर है। इनमें खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है तो इंदौर, धार, झाबुआ, बड़वानी, देवास, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के लिए भी चेतावनी दी गई है। जबकि भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। सीहोर में आज सुबह घना कोहरा देखा गया। बड़वानी के राजपुर में नदी-नाले उफन गए।

अब दिल्ली से गुड़गांव 20 मिनट में मोदी ने 2 प्रोजेक्ट लोकार्पित किए

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली में दो बड़े प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इनमें गुरुग्राम से एयरपोर्ट तक बने देश के पहले 8 लेन अर्बन एलिवेटेड द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 शामिल हैं। इन दोनों सड़क परियोजनाओं से हरियाणा और दिल्ली एनसीआर एरिया को ट्रैफिक जाम से मुक्ति और कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। इसके लिए रोहिणी सेक्टर 37 में समारोह आयोजित किया गया। इससे पहले पीएम मोदी ने द्वारका एक्सप्रेसवे पर काम करने वाले मजदूरों से मुलाकात कर प्रोजेक्ट के बारे में बातचीत की। इसके बाद केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ प्रोजेक्ट की जानकारी ली। इस कार्यक्रम में दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के साथ हरियाणा के सीएम नायब सैनी भी मौजूद हैं। अर्बन एलिवेटेड द्वारका एक्सप्रेसवे की वजह से अब दिल्ली से गुरुग्राम की दूरी 20 मिनट में पूरी हो जाएगी। वहीं 7716 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अर्बन एक्सटेंशन रोड दिल्ली का तीसरा रिंग रोड है, जो दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यहीं नहीं बल्कि, 17 किलोमीटर का विस्तार दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से भी जोड़ेगा।

मेट्रो एंकर | भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु भारत लौटे, पीएम से मिलेंगे

जीवन एक गाड़ी है और समय उसका पहिया...

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने कल जब टेक्सास के जॉर्ज बुश इंटर कॉन्टिनेंटल एयरपोर्ट से भारत के लिए उड़ान भरी तो उनके मन में कई स्मृतियां उमड़ी। वे आगे का वक्त और पीछे का समय शायद दोनों देखे रहे थे। लिहाजा उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट में लिखा था- यूं ही चला चल राही... जीवन गाड़ी है, समय पहिया।

बहरहाल, आज सुबह भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला आज सुबह अमेरिका से भारत वापस लौट आए हैं। उनकी अगवानी के लिए पिता शंभू दयाल शुक्ला मौजूद थे,भारत सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह व दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं। अब शुभांशु आज पीएम मोदी से मिल सकते हैं। इसके बाद बेंगलुरु जाएंगे तथा 23 अगस्त को इसरो के इंटरनेशनल स्पेस-डे सेलिब्रेशन में शामिल होंगे। इसके बाद लगभग 25 अगस्त को वे अपने घर लखनऊ पहुंच रहे हैं। परिवार का कहना है कि

करीब तेरह महीने बाद वे घर आएंगे। उनकी मां का कहना है कि मेरे लिये वह अब भी छोटा बच्चा ही है, उसके आने का बेसब्री से इंतजार है।

गौरतलब है कि कि कडी ट्रेनिंग व अंतरिक्ष सफर व रिहैब के बाद शुभांशु ने विमान में लिखा- मुझे अपने देश पहुंचने की बेसब्री है। भारत वापस आने के लिए विमान में बैठते ही मेरे दिल में कई तरह की भावनाएं उमड़ रही हैं। मुझे उन शानदार लोगों को पीछे छोड़कर जाने का दुख है, जो इस मिशन के दौरान एक साल से मेरे दोस्त और परिवार थे। मगर मिशन के बाद पहली बार अपने दोस्तों, परिवार और देशवासियों से मिलने को लेकर उत्साहित हूं। शुभांशु ने लिखा- मुझे लगता है कि जिंदगी यही है। सब कुछ एक साथ। मिशन के दौरान और बाद में सभी से अविश्वसनीय प्यार और समर्थन मिला। मैं आप सभी के साथ अपने अनुभव साझा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। अलविदा कहना मुश्किल होता है, लेकिन हमें जिंदगी में आगे बढ़ते रहना चाहिए। जैसा कि मेरी कमांडर पैगी व्हिटसन प्यार से कहती हैं कि अंतरिक्ष उड़ान में एकमात्र स्थिर चीज बदलाव है। मेरा मानना है कि यह बात जिंदगी पर भी लागू होती है। मुझे लगता है- यूं ही चला चल राही...जीवन गाड़ी है... समय पहिया।

18 दिन रहे अंतरिक्ष में

उल्लेखनीय है कि एक्सियम मिशन-4 के तहत 25 जून को शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे पहुंचे थे तथा 18 दिन रहने के बाद 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे। कैलिफोर्निया के तट पर उनकी लैंडिंग हुई थी। अब शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा है कि वह मेरे लिए पत्नी और बच्चों के साथ अमेरिका से वापस आया है। मां जिस तरह अपने बच्चे का स्वागत करती है, वैसे ही हम भी उसका स्वागत करेंगे। उसे सीने से लगाकर बहुत सारा प्यार-दुलार करूंगी। ये गर्व का पल है।

सीवेज से मुक्त करने की योजना,हजार करोड़ से ज्यादा खर्च होंगे

तालाबों को निर्मल बनाने की कवायद का असर तीन साल में दिखेगा, 8 सौ किमी का नया नेटवर्क बिछेगा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

झील व तालाबों के शहर में तालाबों को निर्मल बनाने की नई मुहिम के रंग लाने में अभी तीन साल लग सकते हैं। हालांकि तालाबों को सीवेज फ्री बनाने और बेहतर सीवेज नेटवर्क तैयार करने की दिशा में अमृत 2 प्रोजेक्ट के तहत बड़ा काम शुरू हो चुका है। इसके तहत अगले तीन साल में 1032 करोड़ रु. खर्च कर 8 सौ किमी लंबा नेटवर्क बिछाने का काम हाथ ?में लिया गया है। इससे शहर का सीवेज कवरेज 23 फीसद से बढ़कर 60 फीसद तक पहुंच जाएगा। यह भी तय किया गया है कि अगले तीन साल में शहर के आधे से ज्यादा घरों को सीवेज नेटवर्क से जोड़ दिया जाए। इस प्रोजेक्ट से अधिकारियों का फिलवक्त तो दावा यही है कि प्रोजेक्ट पूरा होते ही शहर के किसी भी तालाब में सीवेज नहीं जाएगा। इससे शहर के तालाब ज्यादा निर्मल और खूबसूरत होंगे। इस योजना का आने वाले समय में कोलार, बाग मुगालिया, बैरागढ़, नेहरू नगर, कोटरा, अयोध्या बायपास, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, जहांगीराबाद, ऐशबाग, करोंद और अरेरा कॉलोनी के लोगों को इस योजना से फायदा होगा। शहर में सीवेज की सबसे ज्यादा शिकायतें यहीं होती हैं।

शाहपुरा समेत चार तालाब में सीवेज रूकेगा

जानकारी के मुताबिक योजना के पहले फेज में 400 करोड़ रुपए खर्च कर हलालपुर, बैरागढ़, भैंसाखेड़ी, एयरपोर्ट रोड, त्रिलंगा, डीके कॉटेज, कोलार, चूना भट्टी, चार इमली आदि इलाकों में सीवेज नेटवर्क बिछाया जाएगा। इससे शाहपुरा, बड़ा तालाब, छोटा तालाब और चार इमली तालाब में सीवेज का बहाव पूरी तरह बंद हो जाएगा। अभी शाहपुरा तालाब को सबसे बड़ा सीवेज टैंक कहा जाता है। इसके अलावा शहर में 10 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी बनाए जाएंगे। अभी शहर में 201 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता है, जो तीन साल में 360 एमएलडी तक बढ़ेगी। सबसे बड़ा प्लांट देवलखेड़ी में 60 एमएलडी का होगा, वहीं बावड़िया कलां में 32 एमएलडी का एसटीपी बनेगा।

2 लाख नए घर और जुड़ेंगे

इस समय शहर में 700 किमी का सीवेज नेटवर्क है, जो केवल 23प्रतिशत हिस्से को कवर करता है। पहले फेज में 210 किमी लाइन डाली जा रही है, जिससे 30 हजार घरों को जोड़ा जाएगा। पूरे प्रोजेक्ट में 2.35 लाख नए घर कनेक्ट होंगे। अभी सिर्फ 1.14 लाख घर जुड़े हैं। इसके अलावा तीन पैकेज में 15 पंप हाउस बनाए जाएंगे। गुफा मंदिर, बरई, दीपड़ी, अयोध्या नगर, खजूरी कलां, बरखेड़ा पठानी, बागमुगालिया, नवीन नगर और चेतक ब्रिज के पास ये स्थापित होंगे। अमृत-1 में पहले ही 49 पंप हाउस बनाए जा चुके हैं।

करोंद व निशातपुरा इलाके की कई दुकानों का होगा अधिग्रहण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

शहर में जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात मिलने वाली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो इसका उद्घाटन करेंगे. मेट्रो का पहला हिस्सा अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद सीएम जता चुके हैं।

दरअसल, मेट्रो के एम्स से करोंद तक ऑरेंज रूट पर सबसे बड़ी बाधा पुट्ठा मिल का स्ट्रक्चर है, जिसे जमींदोज करने का काम जारी है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्य सोमवार तक पूरा होगा। रूट पर अंडरग्राउंड स्टेशन के लिए करीब ढाई हेक्टेयर जमीन खाली कराई जा रही है, जबकि अतिरिक्त 20 एकड़ जमीन पहले से उपलब्ध है। काजी कैंप मुख्य मार्ग पर 25 से अधिक दुकानें और मकानों का हिस्सा रूट में आता है। प्रशासन जल्द ही सर्वे कर नोटिस जारी करेगा। करोंद और निशातपुरा इलाके की कई दुकानों का अधिग्रहण भी किया जाएगा। सुभाष नगर के पास आजाद नगर झुग्गी बस्ती शिफ्ट कर दी गई है। आरा मशीनों की शिफ्टिंग जल्द पूरी होगी। भारत टॉकीज चौराहे के पास ग्रेड होटल के पीछे भी कुछ स्ट्रक्चर हटाने हैं। सभी बाधाएं दूर होने पर लगभग 16 किमी लंबा रूट क्लियर होगा। सुभाष नगर से एम्स तक 6 किमी का रूट 95 फीसदी पूरा हो चुका है। अक्टूबर में मेट्रो चलाने की तैयारी है। कुल 30 से अधिक छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करना बाकी है।

ब्लू लाइन भदभदा से रत्नागिरी तक 14 स्टेशन बनेंगे

ब्लू लाइन भदभदा से रत्नागिरी के बीच करीब 14.16 किमी में 14 स्टेशन बनाए जाने हैं। इस रूट पर अभी मिट्टी जांच काम चल रहा है। इस रूट पर बिजली के पोलों की शिफ्टिंग, चिकलोद रोड पर मकान-दुकानों सहित करीब 60 (बिजली के पोल सहित) से ज्यादा छोटी-बड़ी बाधाएं हैं। जिनको दूर किया जाना है। इसके बाद इनको मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए सर्वे काम पूरा हो चुका है। जिला प्रशासन के अफसरों ने बताया कि समय रहते ये सारे काम पूरे कर लिए जाएंगे। समय-समय पर जो भी बाधाएं चिह्नित की गई हैं। उनको हटाने काम चल रहा है। बचे हुए काम भी समय पर पूरे कर लिए जाएंगे।

हेल्थकेयर और अलाइड कोर्स अब कैंपस में रेगुलर मोड से ही मान्य होंगे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी ने हेल्थकेयर और अलाइड कोर्सेस को ऑनलाइन और ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड से संचालित करने पर रोक लगा दी है। अब ये कार्यक्रम केवल कैंपस में रेगुलर मोड से ही मान्य होंगे। यह निर्णय नेशनल कमीशन फॉर अलाइड एंड हेल्थ केयर प्रोफेशन (एनसीएएचपी) एक्ट 2021 के दायरे में आने वाले कोर्सेस पर लागू होगा। इसमें सायकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फूड एंड न्यूट्रिशन साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, क्लिनिकल न्यूट्रीशन और डाइटेटिक्स जैसे विषय शामिल हैं। जिन संस्थानों को इन कोर्सेस को ऑनलाइन/ओडीएल मोड़ में चलाने की अनुमति दी गई थी, उन्हें अब प्रवेश योजना बदलनी होगी या कोर्स रद्द करना होगा।

यूजीसी का यह फैसला डिस्टेंस एजुकेशन बोर्ड कार्य-समूह की सिफारिशों पर आधारित है। विशेषज्ञों के अनुसार, हेल्थकेयर कोर्स का उद्देश्य व्यवहारिक और प्रायोगिक ज्ञान देना होता है। ये सीधे व्यक्ति के स्वास्थ्य और देखभाल से जुड़े हैं। इसलिए छात्रों में व्यावहारिक दक्षता अनिवार्य है। यदि किसी डिग्री (जैसे बीए) में अलग-अलग विषयों में स्पेशलाइजेशन होता है, तो सिर्फ वही विषय हटेंगे जो एनसीएएचपी एक्ट के अंतर्गत आते हैं।

बीयू- पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया दो दिन और चलेगी, 2 379 सीटों के 1 हजार आवेदन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में पीएचडी प्रवेश के लिए रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) साक्षात्कार टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। यह प्रक्रिया 18 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। बीयू में पीएचडी की 2 हजार 379 सीटें हैं, इसके लिए करीब 1 हजार अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। बीयू आरएसी साक्षात्कार के बाद अंतिम वरीयता सूची जारी करेगा। बीयू ने पहली बार नेट स्कोर के आधार पर पीएचडी में प्रवेश की व्यवस्था की है। पीएचडी उम्मीदवारों को तीन कैटेगरी में रखा गया है। जेआरएफ प्राप्त उम्मीदवारों का प्रवेश केवल साक्षात्कार के आधार पर होगा। वहीं, श्रेणी 2 और 3 के उम्मीदवारों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में 70 प्रतिशत वेटेज नेट स्कोर और 30 प्रतिशत वेटेज साक्षात्कार के अंकों का होगा। यह स्कोर कार्ड सिर्फ एक साल के लिए मान्य होगा।

भोज विवि के पूर्व कुलपति प्रो. जयंत सोनवलकर ने बताया कि कैंपस में रेगुलर मोड पर हेल्थ केयर से जुड़े कोर्स करने से छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज मिल सकेगा। चूंकि यह ज्ञान किसी अन्य के स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित है, इसलिए भी यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'थदड़ी'- संतान की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

सिंधी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से 'थदड़ी' का त्योहार मनाया। एक दिन पहले ही विशेष पकवान तैयार किए जाते हैं, जिनमें मीठी कोकी, नमकीन कोकी, सूखी तली हुई सब्जियां और बेसन की रोटियां शामिल हैं। त्योहार के दिन, महिलाएं सुबह जल्दी उठकर मंदिरों में जाती हैं। वे अपने साथ पूजा की सामग्री, कोकी और मक्खन ले जाकर पूजा-अर्चना की गई। पूजा के बाद, कन्याओं को भोजन खिलाया जाता है। माना जाता है कि थदड़ी का त्योहार चेचक जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर सिंधी महिला पंचायत की अध्यक्ष किरन वाधवानी और पंडित कैलाश शर्मा की उपस्थिति में सिंधी समुदाय की महिलाओं ने बच्चों की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

राजधानी में 872 स्ट्रक्चर हाईटेंशन लाइन की जद में

भोपाल। शहर में 872 अनाधिकृत स्ट्रक्चर एक्स्ट्रा हाइटेंशन लाइन की जद में है। ये दुर्घटना की स्थिति बना रहे हैं। यहां रहने वाले सीधेतौर पर जान के खतरें के बीच रह रहे हैं। मप्र पॉवर मैनेजमेंट बिजली कंपनी की रिपोर्ट में तथ्य जाहिर हो रहे हैं। प्रदेश में ऐसे स्ट्रक्चर की संख्या 2300 से ज्यादा है। बिजली कंपनियां स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर अब एक जागरूकता अभियान शुरू करने की कोशिश कर रही है, ताकि लोगों को एक्स्ट्रा हाइटेंशन लाइन से भविष्य के खतरे को बताकर लाइन से दूर किया जा सके।

चालीहा उत्सव में शामिल हुए साई लखमीगिरीजी

हिरदाराम नगर, दोहपर मेट्रो

सुल्तानपुर वाले साईं लखमीगिरीजी अपने परिवार के साथ झूलेलाल मंदिर (एच वार्ड) पहुंचे। उन्होंने भगवान झूलेलाल जी की पूजा-अर्चना की और बहिराणा साहिब में अखो साहिब डाला। इस मौके पर, पूज्य झूलेलाल चालीहा साहिब के अध्यक्ष पुरुषोत्तम हरचंदानी ने आए हुए मेहमानों का शॉल और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। बता दे चालीहा साहिब का कार्यक्रम 16 जुलाई से शुरू हुआ था और इसका समापन 24 अगस्त 2025 (रविवार) को किया जाएगा। इस दौरान, प्रतिदिन शाम 6 बजे बहिराणा साहिब की ज्योत प्रज्वलित की जाती है और रात 8 बजे पल्लव प्रार्थना और प्रसाद के बाद इस ज्योत को कमला पार्क स्थित शीतलदास की बगिया में विसर्जित किया जाता है, ताकि देश की एकता और खुशहाली बनी रहे। समापन समारोह में बॉम्बे और कल्याण से परम पूज्य सूर्यवंशी ठाकुर साईं कुनाल साहिब भी उपस्थित रहेंगे, जिनके सानिध्य में बहिराणा साहिब की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी।

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पद के लिए 5 उम्मीदवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। श्री हिन्दू उत्सव समिति के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। कई उम्मीदवारों ने नामांकन भरे थे, इनमें से पांच उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं। अब सिर्फ पांच उम्मीदवार चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में बचे हैं। ये हैं चंद्रशेखर तिवारी, दीपेश श्रीवास्तव, हेमंत सिंह कुशवाह, कैलाश बेगवानी, नारायण सिंह कुशवाह।

मेट्रो एंकर

राजधानी के मंदिरों व संतनगर के स्कूलों में मनी कृष्ण जन्माष्टमी

'कर्म और प्रेम का संदेश देता है भगवान श्रीकृष्ण का जीवन'

भोपाल/हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो

राजधानी के मंदिरों में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। देर रात तक आयोजन होते रहे। अनेक जगह मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं भी हुई। वहीं संतनगर के साधु वासवानी स्कूल में जन्माष्टमी भक्ति व उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण, संतजी और सरस्वती जी की मूर्तियों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन कर्म पर आधारित था, जिन्होंने गीता में कर्म करने और फल की इच्छा न करने का संदेश दिया। गेहानी ने श्रीराम और श्रीकृष्ण की सादगी का भी उल्लेख किया। समाजसेवी गुलाब जेठानी और वासदेव वाधवानी ने बच्चों को श्रीकृष्ण के जन्म की कहानी सुनाई। सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने भी श्रीकृष्ण के कर्म प्रधान जीवन पर अपने विचार रखे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और अतिथियों का सम्मान : सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक कमल प्रेमचंदानी ने स्कूल में ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की। अकादमी के डायरेक्टर राजेश वाधवानी ने बच्चों को कृष्ण रूप में देखकर खुशी जाहिर की। भोज विश्वविद्यालय के कुलपति रत्न सूर्यवंशी ने भी बच्चों के प्रदर्शन की प्रशंसा की। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि जब-जब अधर्म बढ़ता है, कोई न कोई अवतार अवश्य जन्म लेता है। इस दौरान, विद्यार्थी कृष्ण और राधा का रूप धारण कर आए।

कान्हा-राधा बने बच्चे : मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। पहली और दूसरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने छात्र श्रीकृष्ण, राधा और ग्वालों के वेश में आए, जिससे पूरा स्कूल भक्तिमय हो गया। आयोजन में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। पहली और दूसरी के छात्रों ने भजन गाए और गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो पर नृत्य किया। तीसरी और चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। विद्यालय के प्राचार्य, उप-प्राचार्या और एकेडमिक डायरेक्टर ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और सभी को बधाई दी।

भक्ति मय हुआ विद्यालय परिसर : विद्यासागर पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनाया। बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में राधा-कृष्ण के रूप में सजकर आए, जिससे स्कूल में भक्ति का माहौल बन गया। स खास मौके पर बच्चों को उनकी प्रतिभा के लिए पुरस्कृत किया गया। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी और स्कूल के निदेशक भगवान दामानी ने प्री-प्राइमरी कक्षाओं के उन छात्रों को सम्मानित किया, जिन्होंने लेखन और कविता प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृष्ण जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम में भजन गए।

विभागों को स्थापना व्यय की गणना करने के निर्देश

अगले बजट की अभी से कवायद शुरू कर्मचारियों को मिलेगा बड़ा फायदा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मौजूदा वित्तीय वर्ष अभी आधा भी नहीं बीता है कि सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी शुरू कर दी है। अभी कर्मचारियों को 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है, जो अगले साल बढ़कर 74 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। यानी एक साल में 19 प्रतिशत तक की महंगाई भत्ता की वृद्धि होगी।

जानकार सूत्र बताते हैं कि इसके हिसाब से सभी विभागों को स्थापना व्यय की गणना करने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रदेश में पहली बार सरकार एक साथ तीन वर्ष की वित्तीय आवश्यकताओं का आकलन करके बजट तैयार करा रही है। हर वर्ष स्थापना बजट बढ़ता जा रहा है।आगामी वर्षों में ढाई लाख से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसे देखते हुए वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वे स्थापना का आकलन भी उसी हिसाब से करते हुए बजट प्रस्ताव तैयार करें। वर्ष 2026-27 के लिए कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में संभावित वृद्धि को देखते हुए 74 प्रतिशत की दर से स्थापना व्यय की गणना करने के लिए कहा गया है।

तीन फीसदी बढ़ सकता है डीए

दरअसल, वर्ष 2025-26 की शेष अवधि के लिए भारत सरकार तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा सकती है।इसके अनुरूप प्रदेश में भी वृद्धि होगी, जिससे यह 58 प्रतिशत हो जाएगा। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि भारत सरकार जब से महंगाई भत्ता बढ़ाएगी तब से ही प्रदेश के कर्मचारियों को उसका लाभ दिया जाएगा। यद्यपि, पेंशनरों के मामले में ऐसा नहीं है। अभी भी उन्हें 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिल रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार में 55 प्रतिशत करने को लेकर सहमति अब तक नहीं दी है।

रिक्त पद भी भरना बाकी

आगामी वर्षों में ढाई लाख से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसे देखते हुए वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वे स्थापना का आकलन भी उसी हिसाब से करते हुए बजट प्रस्ताव तैयार करें। वर्ष 2026-27 के लिए कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में संभावित वृद्धि को देखते हुए 74 प्रतिशत की दर से स्थापना व्यय की गणना करने के लिए कहा गया है। दरअसल, वर्ष 2025-26 की शेष अवधि के लिए भारत सरकार तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा सकती है।इसके अनुरूप प्रदेश में भी वृद्धि होगी, जिससे यह 58 प्रतिशत हो जाएगा। जानकारों की माने तो सरकार ने तय किया है कि भारत सरकार जब से महंगाई भत्ता बढ़ाएगी तब से ही प्रदेश के कर्मचारियों को उसका लाभ दिया जाएगा। यद्यपि, पेंशनरों के मामले में ऐसा नहीं है। अभी भी उन्हें 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिल रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार में 55 प्रतिशत करने को लेकर सहमति अब तक नहीं दी है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार महंगाई राहत में वृद्धि के लिए दोनों के मध्य सहमति होना आवश्यक है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी के मुताबिक पेंशनरों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। अभी भी कर्मचारियों की तुलना में हमें दो प्रतिशत महंगाई राहत कम दी जा रही है। पुराना एरियर भी अभी तक नहीं दिया गया है।

85 हजार करोड़ खर्च

प्रदेश में स्थापना व्यय पर सरकार प्रतिवर्ष बजट का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा व्यय करती है। 2023-24 में वेतन-भत्ते और पेंशन मिलकर व्यय 72 हजार करोड़ रुपये के आसपास था, जो 2024-25 में 75 हजार करोड रुपये से अधिक हो गया 2025-26 में 79 हजार करोड़ रुपये व्यय अनुमानित है। इसे देखते हुए 26-27 में यह राशि 85 हजार करोड रुपये तक पहुंच सकती है। भारत सरकार ने आठवें वेतनमान आयोग का गठन कर दिया है। इसे देखते हुए प्रदेश के साढ़े सात लाख नियमित सरकारी कर्मचारियों और साढ़े चार लाख पेंशनरों को नया वेतनमान देने की तैयारी राज्य सरकार ने भी शुरू कर दी है। सातवां वेतनमान मूल वेतन में 2.75 का गुणा करके निर्धारित हुआ था। तब लगभग सात से 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन में वृद्धि हुई थी।

अवैध कालोनियों पर सख्ती और निवेश अनुकूलता के लिए ननि तैयार

मुद्दों के शीघ्र समाधान का क्रेटाई कोआश्वासन

भोपाल, दोहपर मेट्रो,

नगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण से मुलाकात कर क्रेडाई प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी को स्वच्छता सर्वेक्षण में अद्वितीय स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी तथा लंबे समय से लंबित विभिन्न नगरीय विसंगतियों और विकास से जुड़े मुद्दों के समाधान हेतु विस्तृत ज्ञापन सौंपा।आयुक्त ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि नगर निगम और शासन स्तर पर सभी लंबित बिंदुओं का ईज आफ डूइंग बिज़नेस को प्रोत्साहन देने की दिशा में शीघ्र निराकरण किया जाएगा। इस मौके पर ज्ञापन के मुख्य बिंदु भवन अनुमति, शुल्क और अधोसंरचना अनुमोदन से जुड़ी प्रक्रियाओं में त्वरित निपटान,अप्रासंगिक शुल्कों को हटाकर, दरों का यथोचित पुनर्निर्धारण करने और उद्योग-अनुकूल नीति लाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। इसके अलावा अबैध कालोनियों को गंभीर समस्या मानते हुए आयुक्त ने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि इन पर प्रभावी कार्यवाही हो, ताकि नागरिकों को अवैध विकास और धोखाधड़ी से बचाया जा सके। क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा अवैध कालोनियों जैसी गंभीर चुनौतियों पर नगर निगम की स्पष्ट प्रतिबद्धता, हमारे साझा लक्ष्य संगठित, सुरक्षित और नियोजित भोपाल को मजबूत करेगी।

मुलाकात

भोपाल। लालघाटी पर आयोजित एक समारोह में बीती शाम लोकसभा सांसद आलोक शर्मा व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की एकसाथ मौजूदगी रही। दिग्विजय के यहां पहुंचने के कुछ देर बात शर्मा वहां पहुंचे तो पहले सीधे उनके पास पहुंचे और काफी देर हंसीमजाक किया।

उज्जैन में बनेगा 300 करोड़ से चिड़ियाघर व रेस्क्यू सेंटर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में 300 करोड़ रुपये की लागत से चिड़ियाघर सह रेस्क्यू सेंटर बनाया जाएगा। केंद्र सरकार के चिड़ियाघर प्राधिकरण से इसकी सैद्धांतिक मंजूरी भी मिल गई है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की अनुमति अनिवार्य होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार के वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन लगाने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। जबकि जबलपुर के लिए प्रस्ताव भेजा जाना है। प्रदेश में अब तक वन्य प्राणियों के लिए केवल एक रेस्क्यू सेंटर राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में है। उज्जैन में यह प्रदेश का दूसरा रेस्क्यू सेंटर होगा, जहां वन्य प्राणियों का इलाज भी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप पहले चरण में उज्जैन में चिड़ियाघर बनाने के लिए बजट प्रावधान किया गया है। उज्जैन में 80 हेक्टेयर में बनने वाले चिड़ियाघर-सह-सफारी की परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि मंजूर की गई है।

जबलपुर चिड़ियाघर के लिए डीपीआर

उज्जैन के अलावा जबलपुर में चिड़ियाघर बनाने के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेगी। क्योंकि जंगल के अंदर चिड़ियाघर बनाने के लिए पक्के निर्माण कार्य होते हैं जिसे सुप्रीम कोर्ट ने गैर वानिकी गतिविधि माना है। जबलपुर चिड़ियाघर के लिए अभी डीपीआर तैयार नहीं हुई है। डीपीआर बनने के बाद इसे चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

श्रीकृष्ण पर्व में शामिल हुए सीएम

श्रीकृष्ण पाथेय में शामिल हुआ जानापाव, होंगे विकास कार्य

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं अलौकिक थीं। प्रदेश सरकार श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए अभियान चला रही है। जो महत्व मथुरा, गोकुल और वृंदावन का है, वही महत्व जानापाव का है। परशुरामजी ने श्रीकृष्ण को यहीं पर सुदर्शन चक्र दिया था। यह एक ऐतिहासिक स्थल है। भगवान श्रीकृष्ण को परशुराम जी का आशीर्वाद मिला। अनेक अवसरों पर जब सभी अस्त्र-शस्त्र फेल हुए तो श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र का उपयोग किया और उनकी जय-जयकार हुई। प्रदेश में धूमधाम से भगवान बलराम जयंती, स्वतंत्रता दिवस के बाद आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इंदौर जिले में स्थित भगवान परशुराम की जन्मस्थली जनापाव में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम में शामिल हुए।

सीएम ने भक्तों पर की पुष्प वर्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और सभी को भगवान श्रीकृष्ण के प्रकटोत्सव जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की सभी लीलाएं हमें जीना सिखाती है। जानापाव को भी श्रीकृष्ण पाथेय में शामिल किया गया है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकास कार्य कराए जाएंगे।

मेट्रो एंकर

40 जिलों में कल से आधार कार्ड बनाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

अब स्कूलों में ही बनेंगे छात्रों के आधार कार्ड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में स्कूल के बच्चों के आधार कार्ड तैयार करने के लिये स्कूल में ही विशेष अभियान 18 अगस्त 2025 से चलाया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाये जायेंगे। इस अभियान का नाम होगा विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार'।

यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

उल्लेखनीय है कि, अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है।

दो महीने का अभियान

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि, 18 अगस्त से प्रारंभ होने वाला अभियान का पहला चरण, मध्यप्रदेश के 40 जिलों में एक साथ शुरू होगा और एक से दो महीने तक चलेगा। आधार शिविरों की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए (यूआईडीएआई) ने जिलों में उन पिन कोडों की पहचान की है जहाँ सबसे ज्यादा एमबीयू लंबित हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने मुख्य रूप से इन पिन कोडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों को शिविरों के लिए चुना है। शेष 15 जिलों में दूसरा चरण सितंबर 2025 के पहले सप्ताह में शुरू होगा।

लोकगीत: समाज की सामूहिक चेतना का स्वर

■ नरेंद्र शर्मा

साहित्य में लोकगीत का बहुत अहम मुकाम होता है। यह साहित्य की उस धारा का हिस्सा होता है, जिसे हम लोक संस्कृति की आत्मा कहते हैं। यह किसी समाज को सबसे सहज, मौलिक और सामूहिक रूप से व्यक्त करता है।

वास्तव में लोकगीत की परंपरा लिखित साहित्य से पहले की परंपरा है, इसलिए लोकगीत में सब कुछ तय नहीं होता। एक ही लोकगीत, एक ही इलाके में गाते हुए लोग अलग अलग शब्दों, अलग अलग संवेदनाओं के आयाम छूते हैं। लोकगीत आमतौर पर किसी समाज की सामूहिक भावनाओं को व्यक्त करते हैं। इनमें इतिहास, ऋतुएं, पर्व, सामाजिक घटनाएं होती हैं, जो लगातार जुड़ते शब्दों के गीतों में पिरोकर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांरित होते हैं। लोकगीत किसी समाज की सामूहिक भावनाएं होते हैं, इस वजह से दुनियाभर के लोकगीतों की अगर भाषा एक कर दी जाए तो हम पाएंगे कि दुनिया के हर कोने के लोकगीत लगभग एक जैसे होते हैं। मनुष्य की आंतरिक संवेदनाएं एक जैसी ही होती हैं, चाहे वह धरती के किसी भी छोर में रहते हों। थोड़े शब्द अलग होते हैं, शब्दों के व्यक्त करने का तरीका अलग हो सकता है, लेकिन दुनियाभर की लोकचेतना एक जैसी होती है।लोकगीतों की यही लोकचेतना चुबंक की तरह लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। क्योंकि लोकगीतों के गाने गुनगुनाने में किसी तरह का शास्त्रीय बंधन नहीं होता, इसलिए उन्हें हर कोई अपने अपने ढंग से गा, गुनगुना सकता है। लोकगीत किसी विशेष लेखक की रचना भी नहीं होते। ये आज के विकीपीडिया कंटेंट की तरह होते हैं, जिसमें हर कोई अपना योगदान दे सकता है। इसलिए लोकगीत किसी लेखक विशेष की रचना या उनकी पूंजी नहीं होते। ये समाज के सभी लोगों की सामूहिक पूंजी होते हैं और इनकी रचना में भी पूरे समाज का योगदान होता है। हिंदी साहित्य में तो विशेषकर लोकसाहित्य की श्रेणी में लोकगीत इसके मूल आधार की तरह हैं। सच बात तो यह है कि बाद में व्यापक लिखित साहित्य इसी की बुनियाद पर खड़ा हुआ है।लोकगीत साहित्य की सबसे लोकप्रिय विधा इसलिए होते हैं, क्योंकि इनमें जो सरलता, जो सहजता, लय, भाव-भंगिमा और भाषा होती है, वह ऐसी होती है कि आम से आम व्यक्ति भी उसे समझ सकता है, उन्हें गा सकता है और उसमें अपनी मौजूदगी महसूस कर सकता है। लोकगीत किसी एक व्यक्ति द्वारा अकेले में आमतौर पर नहीं गाये जाते। इसलिए लोकगीतों की कोई विशेष शैली या किसी गायक विशेष की इनमें छाप भी नहीं होती। उन्हें कोई भी गा सकता है। ये अपनी भाषाशैली और रचना प्रक्रिया में अपने साथ सबको जोड़ते हैं।

स्थानीयता की महक

इनमें स्थानीयता की सबसे मुखर गंध होती है। इनका स्वर, इनके शब्द, ये जिस वाद्य में गाये और बजाये जाते हैं, यह सब स्थानीय होते हैं। यहां तक कि लोकगीतों में जो भाव-भंगिमाएं प्रदर्शित की जाती हैं, वह एक स्थान विशेष के लोगों की सामूहिक भाव-भंगिमाओं का हिस्सा होती है। इनका जुड़ाव अपने इलाके की मिट्टी, मौसम और बोली से बहुत गहरे तक होता है। इसलिए ये किसी व्यक्ति विशेष की बजाय किसी समूह विशेष या किसी भूगोल विशेष का जीवंत दास्तावेज होते हैं।

शादी-ब्याह, खेती-किसानी, ऋतु परिवर्तन, युद्ध, प्रेम, वियोग यानी जीवन का कोई छोटा या बड़ा पहलू नहीं छुटता, लोकगीत जिन्हें अपने अंदर न समेटे हों। लोकगीतों में सामाजिक जीवन की व्यापक उपस्थिति होती है। हर लोकगीत की अपनी एक संस्कृति होती है या दूसरे शब्दों में लोकगीत हमें यह बताते हैं कि वह किस सांस्कृतिक धारा से जुड़े हुए हैं और वहां के पूर्वज अपना जीवन कैसे जीते थे। लोकगीतों से हमारा इसलिए भी व्यापक लगाव होता है, क्योंकि ये हमारी स्मृति और नॉस्टैलेजिया का हिस्सा होते हैं। दरअसल हम सब लोकगीत सुनकर ही बड़े हुए होते हैं। जब बच्चे पैदा होते हैं तो उनके स्वागत में जो मंगलगीत गाये जाते हैं, वे लोकगीत ही होते हैं। भले शिशुओं को यह सुनना, समझना, संभव न हो, लेकिन लोकगीतों के बोल जो उनके शिशु जीवन में कानों में पड़ते हैं, वे हमेशा हमेशा के लिए उनकी स्थायी स्मृति का हिस्सा हो जाती हैं। गांवों, पारिवारिक मिलन समारोहों और शादी-ब्याह आदि में आज भी खुशियां सामूहिक रूप से लोकगीत गाकर ही मनायी जाती हैं। इसलिए हम हर सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधि में लोकगीतों की संवदेनाओं के जरिये जुड़े होते हैं।

(साभार : यह लेखक के विचार हैं)

'मैं' से 'हम' की अनुभूति

लोकगीतों के साथ हमारा भावनात्मक जुड़ाव इसलिए बहुत होता है, क्योंकि ये हमें, हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और इन्हें सुनने के बाद हम अपने आपको उस क्षेत्र विशेष, समाज विशेष का जीवंत हिस्सा मानते हैं। दरअसल, लोकगीत हमारी सामूहिक अनुभूति का हिस्सा हैं। इसलिए किसी लोकगीत का अनुभव 'मैं' तक सीमित नहीं रहता बल्कि ये 'हम' सबकी साझी अनुभूति का हिस्सा होता है। लोकगीतों की यह खूबी लोगों को अपने पास लाती है। लोकगीतों की लय और उन्हें जिन रागों पर गाया जाता है, वो सब स्थानीय अनुभवों से जन्म लेते हैं, जो हमारे भीतर पहले से ही रचे बसे होते हैं।लोकगीत सिर्फ साहित्य या संगीत का एक टुकड़ाभर नहीं होते, ये एक समाज विशेष की धड़कती हुई पूर्ण आत्मा होते हैं। लोकगीत हमारी स्मृति और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का डीएनए है। भविष्य में भी लोकगीत अपने नये रूप रंग में जिंदा रहेंगे।हमेशा हर समाज का अपने लोकगीतों के प्रति लगाव व आकर्षण बना रहेगा, क्योंकि कुछ भी हो जाए, लोकगीतों में जो अपनी मिट्टी की खुशबू होती है, अपनेपन की वैसी खुशबू साहित्य की किसी भी विधा में नहीं होती। इसलिए लोकगीत इंसानी भावनाओं की स्वाभाविक अभिव्यक्ति होते हैं और ये हर दौर में महत्वपूर्ण बने रहेंगे।

चावल के एक दाने पर उकेरा राष्ट्रीय गान

■ विनोद पाठक

देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुए आज 78 वर्ष हो गए। 79वें स्वतंत्रता दिवस के साथ हम एक नए युग में प्रवेश कर गए हैं। हर भारतीय अपने हिसाब से स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को मना रहा है, लेकिन जयपुर के माइक्रो ऑर्टिस्ट डॉ. राम सिंह राजोरिया ने अपनी कला के माध्यम से आजादी का पर्व बिल्कुल अलग अंदाज में मनाया है।सूक्ष्म कला के क्षेत्र में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम दर्ज करा चुके डॉ. राम सिंह राजोरिया ने चावल के एक दाने पर संपूर्ण राष्ट्रीय गान को बारीकी से उकेरा है। यह कार्य इतना सूक्ष्म और अद्वितीय है कि इसे नंगी आंखों से देख पाना असंभव है। डॉ. राजोरिया की रचना में हर शब्द एवं अक्षर को विशेष तकनीक और अत्यंत सूक्ष्म उपकरणों की मदद से चावल की छोटी सतह पर उकेरा गया है।

30 वर्षों से माइक्रो ऑर्टिस्ट डॉ. राजोरिया की कला न केवल तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि यह भारत की एकता, गर्व और देशभक्ति का प्रतीक भी है। यह उनके देशप्रेम और राष्ट्रीय धरोहर के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान से प्रेरित होकर उन्होंने विश्व का सबसे सूक्ष्म हस्तनिर्मित भारत का तिरंगा तैयार किया, जिसका आकार मात्र 2 मिमी म1 मिमी है। इस अद्वितीय तिरंगे को महीनों के धैर्य, साधना और सूक्ष्म कला कौशल के साथ धागे का उपयोग करके तैयार किया गया है। तिरंगे में तीनों रंग और अशोक चक्र की बारीक नक्काशी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह तिरंगा सिर्फ कला नहीं, बल्कि हर भारतीय के दिल में बसी देशभक्ति और बलिदान की भावना का प्रतीक है।डॉ. राजोरिया एक विलक्षण और समर्पित सूक्ष्म कलाकार हैं। इन्होंने विश्व की अति लघु हस्तलिखित श्रीमद्भगवद् गीता की अद्वितीय रचना की है, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता के संपूर्ण 18 अध्यायों और 700 श्लोकों को मात्र 3.5 इंच म5 इंच आकार की एक्रेलिक शीट पर हस्तलिखित रूप में उकेरा गया है। यह अत्यंत सूक्ष्म एवं साधनापूर्ण कार्य दो वर्षों की अथक मेहनत से संपन्न हुआ, जो न केवल आध्यात्मिक भक्ति का प्रतीक है, बल्कि भारतीय लघु लेखन-कला का एक अनमोल उदाहरण भी है। इसे एक्सक्लुसिव बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता दी है।

डॉ. राजोरिया द्वारा चावल के दानों पर भी अद्भुत और सूक्ष्म कलात्मक कार्य किए गए हैं। इन्होंने एक चावल के दाने पर 203 हाथियों की प्रतिमाएं, 4000 सूक्ष्म अक्षर, णमोकार मंत्र और गायत्री मंत्र लिखा है। चावल के एक ही दाने पर उन्होंने 21 गणेश प्रतिमाएं उकेरना और देश की प्रसिद्ध हस्तियों के छायाचित्रों का सूक्ष्म चित्रण करना जैसे असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी संभव कर दिखाए हैं। डॉ. राजोरिया को अब तक 11 अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। घाना की वेबिक यूनिवर्सिटी द्वारा उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की गई है। उनका उद्देश्य अपनी कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और सूक्ष्म चित्रण की परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाना है, जिसके लिए वे निरंतर समर्पण और श्रद्धा के साथ कार्य कर रहे हैं। उनका यह प्रयास न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

- साभार

श्रीकृष्ण हैं शाश्वत एवं प्रभावी सृष्टि संचालक

■ ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्वितीय महापुरुष हैं, जिनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक ऊँचाई, लोकनायकत्व, व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और कुशल प्रबंधन का अद्भुत संगम दिखाई देता है। वे केवल एक धार्मिक देवता नहीं, बल्कि सृष्टि के महाप्रबंधक, समय के श्रेष्ठ रणनीतिकार और जीवन के महान शिक्षक-संचालक भी हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि सही प्रबंधन के बिना न तो राष्ट्र का संचालन संभव है, न ही व्यक्ति का उत्थान। उन्होंने यह सिखाया कि प्रबंधन केवल योजनाओं और नीतियों का नाम नहीं, बल्कि भावनाओं, विवेक, नीति और समय के सामंजस्य का विज्ञान है। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं, आधुनिक शासक-नायक यदि श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट को प्रेरणा का माध्यम बनाये तो दुनिया में युद्ध, आतंक एवं अराजकता की स्थितियां समाप्त हो जाये एवं एक आदर्श समाज-निर्माण को आकार दिया जा सके।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण ने द्वारका के शासक होते हुए भी कभी अपने को 'राजा' कहलाने में रुचि नहीं दिखाई। वे ब्रज के नंदलाल थे, ग्वालों के सखा, गोपियों के प्रियतम, और साथ ही धर्म के रक्षक भी। उनका जीवन दर्शाता है कि एक सच्चा नेता पद और सत्ता से नहीं, अपने कर्म और दृष्टिकोण से पहचाना जाता है। उन्होंने प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों के बीच अद्भुत संतुलन साधा-एक ओर वे महाभारत जैसे महायुद्ध के नीति निर्देशक थे, तो दूसरी ओर रास की मधुर लीलाओं में प्रेम और आनंद के स्वर बिखेरते थे। उनका प्रबंधन कौशल इस बात में स्पष्ट झलकता है कि अत्याचारी कंस को पराजित करने से पहले उन्होंने उसकी आर्थिक शक्ति को कमजोर किया। यह आधुनिक रणनीति की दृष्टि से भी सर्वोत्तम तरीका था, पहले प्रतिद्वंद्वी की संसाधन शक्ति को समाप्त करो, फिर निर्णायक प्रहार करो। यही व्यावहारिक सोच उन्हें आदर्श मैनेजमेंट गुरु बनाती है। महाभारत के युद्ध में वे स्वयं अस्त्र-शस्त्र नहीं उठाते, लेकिन रथसारथी बनकर अर्जुन के मानसिक संकट को दूर करते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि एक श्रेष्ठ प्रबंधक स्वयं अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर मार्गदर्शन देता है, लेकिन अपनी टीम को ही सफलता का श्रेय देता है।

गीता का उपदेश वास्तव में प्रबंधन का अमरसूक्त है, कर्तव्य के साथ कर्म में निष्ठा, परिणाम से अनासक्ति, समय पर निर्णय लेने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीति बदलने की लचीलापन। उन्होंने सिखाया कि असफलता का भय और परिणाम की चिंता व्यक्ति को कमजोर करती है, जबकि कर्तव्यपरायणता और आत्मसंयम सफलता की गारंटी है। श्रीकृष्ण की दृष्टि में इच्छाओं का त्याग, मन की स्थिरता, और विवेकपूर्ण कार्य-ये जीवन प्रबंधन के मूल सूत्र हैं। उनके व्यक्तित्व में असंख्य भूमिकाएं समाहित थीं, एक ओर वे सुदामा के लिए अद्वितीय मित्र हैं, तो दूसरी ओर दुष्ट शिशुपाल के वध में धर्म के कठोर संरक्षक। वे नंदगांव में माखन चुराने वाले नटखट बालक हैं, लेकिन वही आगे चलकर कुरुक्षेत्र में धर्मयुद्ध के नीति निर्माता भी हैं। यही विरोधाभासों का संतुलन उन्हें अद्वितीय बनाता है। उन्होंने दिखाया कि कब करुणामय होना है और कब कठोर, कब प्रेम करना है और कब दुष्टता का दमन करना है, यह निर्णय केवल वही कर सकता है जो परिस्थितियों को भलीभांति समझता हो और समय का सदुपयोग जानता हो। श्रीकृष्ण एक आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

श्रीकृष्ण की समय-नियोजन क्षमता अद्भुत थी। 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि जीवन में सीखने की गति और बहुआयामी दक्षता ही नेतृत्व की असली पहचान है। वे संगीत, नृत्य, युद्धकला, राजनीति, कूटनीति और दर्शन-हर क्षेत्र में पारंगत थे। एक श्रेष्ठ प्रबंधक की तरह उन्होंने न केवल अपनी क्षमताओं का विकास किया, बल्कि अपने समय और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग भी किया। श्रीकृष्ण की राजनीतिक दृष्टि इतनी सूक्ष्म थी कि वे राजसत्ता को धर्मसत्ता के अधीन रखना चाहते थे। उनके जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि था। उन्होंने विषमताओं को समाप्त करने, शत्रुता मिटाने और समाज में सामंजस्य स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उनके लिए सत्ता कोई व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम थी। आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने सत्ता का त्याग करने में भी संकोच नहीं किया। उनका ग्रामीण संस्कृति के प्रति प्रेम भी उल्लेखनीय है। माखनचोर की उनकी छवि केवल बाललीला नहीं, बल्कि उस समय की निरंकुश कर-व्यवस्था का प्रतिकार और ग्रामीण स्वावलंबन का समर्थन भी थी। उन्होंने गायों, ग्वालों और उनके उत्पादों को सम्मान और संरक्षण दिया, जिससे गांवों की आत्मनिर्भरता बनी रहे।

आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है। उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही भारत आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न बन सकता है। जैसे उन्होंने कहा-'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति' जब भी अन्याय बढ़ेगा, तब एक श्रीकृष्ण का अवतरण होगा, और वह न केवल धर्म की पुनर्स्थापना करेगा बल्कि प्रबंधन की उस कला को भी जीवित रखेगा, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाती है। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

-यह लेखक के निजी विचार हैं।

रुद्राक्ष धाम में प्रसिद्ध भजन गायक हंसराज रघुवंशी व वैशाली की भजन संध्या

जन्माष्टमी: भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सोलह कलाओं का प्रतिबिंब : प्रहलाद पटेल

सागर। दोपहर मेट्रो

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटैल ने भगवान श्रीकृष्ण का उल्लेख करते हुये कहा कि उनका जीवन सोलह कलाओं का प्रतिबिम्ब था। हम उनके बताये एक भी रास्ते पर चल पाये तो यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा

कि भगवान कृष्ण के जीवन से हमें बहुत संदेश मिलते है। अहंकार एक ऐसी चीज है जो हमें सही मार्ग पर चलने नहीं देती। यह बात प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कही। पटेल रुद्राक्ष धाम बामोरा में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक दो बातें नहीं बल्कि सौ गालियां सुनने का सामर्थ्य जिसमें है, उसे कृष्ण कहते है। कालिया नाग का जिक्र कर उन्होंने कहा कि जिसने मौत के सिर पर नृत्य किया हो उसे कृष्ण कहते है। सारा सामर्थ्य हो लेकिन सुदामा से मित्रता जिसने की हो उसे कृष्ण कहते है। पूर्व गृहमंत्री, विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने विषैले नाग पर नृत्य करके यमुना नदी के विष को समाप्त कर स्वच्छ नदी लोगों को देने का काम किया। भगवान श्रीकृष्ण को कालियानाग को मारना कोई बड़ा काम नहीं था। उन्होंने कालियानाग को मारकर यह संदेश दिया कि जल का हमारे जीवन में कितना महत्व है। गोवर्धन पर्वत उठाकर एक तरफ जहां इंद्र का अभिमान समाप्त किया वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने यह संदेश दिया कि गोवर्धन पर्वत हमारे पर्यावरण के लिये आवश्यक है।

सागर में जन्माष्टमी पर भजन की प्रस्तुति देते कलाकार

नगर में निकाली भव्य शोभायात्रा, भगवान जन्मोत्सव पर जमकर नाचे श्रद्धालु

औबेदुल्लागंज। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर यादव समाज द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा वार्ड क्रमांक 1 विशनखेड़ा से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए ग्राम खिल्लीखेड़ा तक पहुंची। धार्मिक माहौल से सराबोर इस शोभायात्रा में बुजुर्गों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भगवान के भजनों पर श्रद्धालु जमकर थिरके और नगर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। शोभायात्रा में ऑपरेशन सिंदूर की

झलक भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे झांकी के रूप में प्रस्तुत किया गया। नगर के तमाम सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया, पुष्पवर्षा की और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। वहीं मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया और घर-घर में पूजा-अर्चना व भजन संकीर्तन से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशी मनाई जा रही है। औबेदुल्लागंज में जन्माष्टमी का उत्सव भक्तिभाव, उल्लास और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम बना।

ढोल वादन के साथ यादव समाज की यात्रा

सिरोंज। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार को सिरोंज में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यादव समाज की श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति द्वारा एक सप्ताह पहले से इस शोभायात्रा की तैयारी की जा रही थी। व्यापक संपर्क का असर शनिवार को दिखाई दिया। दोपहर 12 बजे छतरी नाका चौराहे से शुरू हुई शोभायात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। यशोदानंदन के जयकारों के साथ शुरू हुई इस शोभायात्रा की अगवानी सुमधुर भजन गायन कर रहा बेंड दल कर रहा था। इस शोभायात्रा में 4 डीजे और सुठालिया से आया युवाओं का ढोल वादन दल भी शामिल था। डीजे से निकल रहे भजनों की धुन पर यादव समाज के युवा जयकारों के साथ थिरक रहे थे।

विधायक के जन्मदिन पर हुए कई कार्यक्रम

गंजबासौदा। विधायक हरिसिंह रघुवंशी का जन्मदिन इस बार जन्मोत्सव की भांति मनाया गया। शहर से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक लोगों ने उल्लास के साथ विधायक को बधाई दी। समर्थकों ने इसे केवल जन्मदिवस नहीं बल्कि आभार उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया। विधायक समर्थक शासकीय राजीव गांधी जनचिकित्सालय पहुँचे, जहाँ मरीजों को फल वितरित किए गए। जन्मदिन का मुख्य समारोह मानस भवन में आयोजित हुआ। यहाँ भुजरिया मिलन समारोह आयोजित किया गया। वहीं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा विधायक का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर भी हुआ। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश जादौन, नपाध्यक्ष शशि यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश तिवारी, सांसद प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज यादव, नपा उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवेन्द्र रघुवंशी दिप्पू, विहिप प्रांत गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल व अन्य लोाग शामिल रहे।

मां ने दो बेटियों का गला घोंटकर की हत्या

उज्जैन। जिले की महिदपुर तहसील से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी दो बेटियों की गला घोंट कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद महिला ने खुद घटना की जानकारी अपनी जेठानी को दी और उसे हंसते हुए कहा कि मैंने अपनी दो बेटियों को मार दिया है। ये बात सुनकर जेठानी सन्न रह गई। उसने महिला के पति सहित गांव के चौकीदार को वारदात की सूचना दी। वारदात की जानकारी मिलने के बाद जब महिला के घर पर गांव के कुछ बच्चे और अन्य लोग पहुंचे तो उन पर भी महिला ने हमला करने का प्रयास किया। इसके चलते गांव के लोगों ने उसे एक बल्ली के सहारे रस्सी से बांध दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। हैरान करने वाला ये पूरा मामला उज्जैन जिले के महिदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तुलसापुर का बताया जा रहा है। महिदपुर थाना पुलिस ने बताया 28 वर्षीय पूजा पति अशोक गत दिवस अपनी दो बेटियों 4 वर्षीय उमा और 8 माह की अनुष्का के साथ घर पर अकेली थी। सबसे बड़ी बेटी 7 वर्षीय गरिमा स्कूल गई हुई थी और पति अशोक दादी का इलाज करवाने महिदपुर गया हुआ था। इस दौरान पूजा ने बेटी उमा और अनुष्का की गला घोंट कर हत्या कर दी।

स्कूल की अच्छी व्यवस्थाओं को लेकर शाला प्रभारी हुए सम्मानित

गंजबासौदा। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में शासकीय प्राथमिक शाला काला पठार पहुंचकर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने शाला की व्यवस्थाएं देखकर शाला के प्रभारी प्रथ्वी सिंह रघुवंशी को सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी, एवं एसडीएम विजय राय ,नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी देवेन्द्र सिंह रघुवंशी, एसडीओपी शिखा भलावी , सीईओ तपस्या जैन, तहसीलदार ,बीएमओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी परता अहिरवार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने स्कूल का भ्रमण किया शाला की उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए सभी सम्मानित अतिथियों ने स्कूल में ही मध्यान भोजन बच्चों के साथ ग्रहण किया।

अवैध कारोबार

स्वतंत्रता दिवस पर बिक रही थी शराब, वीडियो बनाने पर मीडियाकर्मी को पीटा

सिरोंज। स्वतंत्रता दिवस पर अवैध शराब की बिक्री का कवरेज करने गए मीडियाकर्मी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। प्रतिबंध के बावजूद ठेकेदार के ही कुछ लोग दुकान के पीछे ही शराब बेच रहे थे। इस दौरान मीडियाकर्मी वाहिद गौरी ने वीडियो बना लिया। कुछ देर बाद इन लोगों ने ही वाहिद के साथ गाली-गलौच कर मारपीट कर दी। मीडियाकर्मी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। मीडियाकर्मी से मारपीट को लेकर लोगों में आक्रोश है। लोगों को कहना है कि राष्ट्रीय पर्व के अवसर अवैध रूप से शराब का विक्रय करना अपराध है और मीडियाकर्मी को कवरेज कर अभद्रता कर मारपीट करने पर सख्ती कार्रवाई की जाना चाहिए।

एनसीसी कैडेट यादव को मिला सीओएएस सम्मान

सागर। दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस पर (चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ) कम्नडेशन पदक की घोषणा हुई। जिसमें सीनियर अंडर ऑफीसर कैडेट सागर जिले के कपिल यादव के नाम की घोषणा हुई। 15 अगस्त को सागर ग्रुप कमाण्डर ब्रिगेडियर विकास बहुगुणा एवं 11 मप्र बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल प्रताप रंजन मोहन्ती ने कैडेट कपिल यादव को पदक से सम्मानित किया। कैडेट कपिल यादव 11 मप्र बटालियन एनसीसी के कैडेट एवं आर्टस एंड कार्मस कालेज के छात्र रहे हैं। पूर्ण भारत वर्ष में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस पर ष्ठ्ठस्र पदक प्राप्त करने वाले मात्र अकेले एनसीसी कैडेट है।

झंडावंदन करने के बाद तिरंगा उतरना भूले शिक्षक

शिक्षा के मंदिर को शिक्षकों ने किया शर्मिंदा, कई शिकायत फिर भी सुधार नहीं

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

स्कूलों में बच्चों को शिक्षा का ज्ञान देने वाले शिक्षक ही जब ऐसी लापरवाही कर दें तो इसे आप क्या कहेंगे। ऐसे ही कुछ हुआ सिवनी मालवा विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बी- जामनी के अंतर्गत आने वाले टोला शासकीय विद्यालय खाड़ीखेड़ा में। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज उतारने में शिक्षकों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। विद्यालय परिसर में फहराया गया तिरंगा रात्रि 8 बजे तक भी नहीं उतारा गया। ग्रामीणों ने इस पर आपत्ति जताते हुए स्वयं ध्वज उतारा और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। इस गंभीर प्रकरण पर जिला शिक्षा अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान सर्वोपरि है। विद्यालय के शिक्षकों की यह लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की जांच कर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में राष्ट्रीय पर्व के आयोजन के प्रति शिक्षकों की लापरवाही लगातार देखने को मिलती है, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज को समय पर नहीं उतारना सीधा-सीधा राष्ट्रीय ध्वज संहिता का उल्लंघन है। लोगों का कहना है कि यह घटना छात्रों के लिए गलत संदेश देती है और शिक्षकों को राष्ट्रध्वज के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता दिखानी चाहिए। स्कूल में ना तो कोई ध्वज दंड है बना हुआ है सीधे बस को बांधकर झंडा खड़ा करना अभी ध्वज का अपमान है। सुबह दोनों ही शिक्षकों की उपस्थिति में झंडा वंदन हुआ। वहीं शिक्षक झंडा उतरना भूल गए ग्रामीणों ने यह तक आरोप लगाया है कि दोनों ही शिक्षक समय पर स्कूल नहीं आते हैं। स्कूल में गदंगी का अंबार लगा हुआ है। ग्रामीणों ने इस बात की शिकायत कई बार उनसे की लेकिन हल कुछ नहीं निकला अब देखना यह है कि इस राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को लेकर प्रशासन और शिक्षा विभाग कितना सख्त नजर आता है।

शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय बने जिला कांग्रेस अध्यक्ष

इटारसी। कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है।

नर्मदापुरम में एक बार फिर शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। हंसमुख मिलनसार जनता के बीच अपनी पहचान छोड़ने वाले पांडेय को प्रदेश के नेताओं ने दोबारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। आगामी नगर पालिका,नगर परिषद के चुनाव को देखते हुये श्री पांडेय को दोबारा जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त कांग्रेस ने किया है। उन्होंने पूर्व में कांग्रेस से नाराज कार्यकर्ताओं को पार्टी के साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

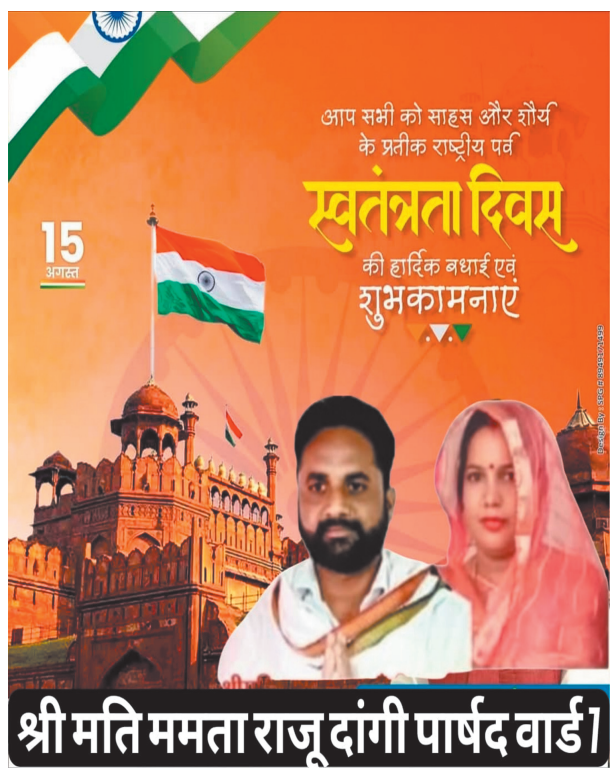

पड़ताल जारी

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

वाहनों की तेज रफ्तार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। लटेरी रोड पर पाटन गांव में मुख्य सड़क पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। घटना गत दिवस रात की है। गांव से निकले हाइवे की सड़क पर 40 वर्षीय पूरन सपेरा पैदल जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर मारकर वाहन लेकर चालक भाग गया। दुर्घटना में घायल पूरन को राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय ले जाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

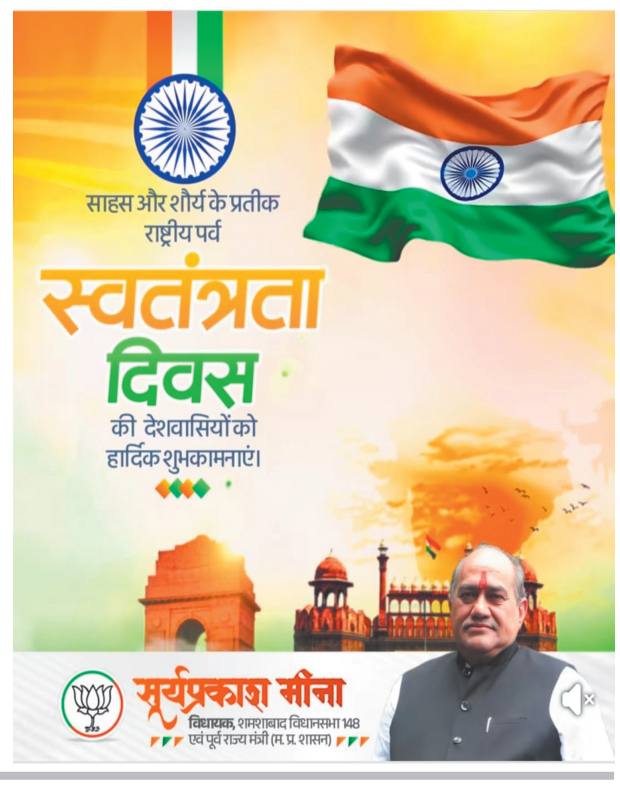

बेंगलुरु से आई थी उड़ान

ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट का मामला सवार थे 160 यात्री, बोले- क्रेश होने से बचा

एयर इंडिया के बोइंग विमान की लैंडिग के दौरान तेज झटका यात्रियों में मची अफरा-तफरी के बाद सामूहिक शिकायत

ग्वालियर। एजेंसी

प्रदेश के ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बैंगलुरू से आए एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोइंग विमान की लैंडिंग के दौरान अचानक तेज झटका लगा और प्लेन रनवे पर छूने के बाद दोबारा टेकऑफ हो गया। हालांकि, करीब दो मिनट बाद पायलट ने विमान को सुरक्षित उतार लिया। घटना से दहशत में आए यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया और एयरलाइन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। बाद में यात्रियों ने एयरपोर्ट

अथॉरिटी को सामूहिक लिखित शिकायत दी।

विमान में करीब 160 यात्री सवार थे। यात्रियों का कहना था कि लैंडिंग के दौरान आया यह झटका बड़ी दुर्घटना में बदल सकता था। यात्रियों ने इसे जान से खिलवाड़ बताते हुए कहा कि विमान क्रैश होने से बचा है। उन्होंने कहा कि बाद में सिर्फ आरती और आर्थिक मदद ही होती।

जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया का बोइंग विमान शनिवार सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर बेंगलुरु से रवाना होकर दो बजकर 30 मिनट पर ग्वालियर एयरपोर्ट पर पहुंचा। लैंडिंग के समय रनवे को टच करते ही विमान झटका खाने लगा। पायलट ने तुरंत ही विमान को टेकऑफ कर लिया। कुछ ही पलों बाद पायलट ने दोबारा विमान उतारने की कोशिश की तो विमान में पहले प्रयास के दौरान लगे झटकों के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज झटके लगे। इस दौरान विमान के यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। यात्रियों के अनुसार तेज झटके लगे। लैंडिंग इतनी खतरनाक थी कि सीटों से लाइफ जैकेट तक बाहर आ गईं।

यात्रियों का कहना है कि लैंडिंग के समय विमान की दाहिनी विंग का एक हिस्सा ढंग से नहीं खुला, जिससे स्पीड नियंत्रित नहीं हो पाई। एक यात्री ने आरोप लगाया कि विमान की गति बेहद तेज थी और बिल्कुल भी स्मूथ लैंडिंग नहीं हुई। यात्रियों का कहना है कि क्रू और पायलट की ओर से न तो किसी तरह का ऐलान किया गया और न ही स्थिति को लेकर जानकारी दी गई। इस कारण घबराहट और बढ़ गई। यात्रियों ने मांग की है कि जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो।

शिकायत के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने घटना को सामान्य बताते हुए कहा कि कई बार लैंडिंग के दौरान झटका लग सकता है। यह किसी तकनीकी खराबी का मामला नहीं है। ग्वालियर एयरपोर्ट डायरेक्टर एके गोस्वामी ने बताया कि विमान पूरी तरह सुरक्षित था। पहली बार लैंडिग में दिक्कत आने पर दोबारा लैंडिंग सुरक्षित तरीके से कराई गई। इस बीच यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति जरूर बन गई थी। वही विमान 30 मिनट बाद बैंगलुरू के लिए रवाना हुआ और सुरक्षित पहुंच भी गया।

उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया पहले से अहमदाबाद हादसे को लेकर आलोचना झेल रही है। गत 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 242 यात्रियों की मौत हुई थी। अब ग्वालियर की इस घटना ने एयर इंडिया की सुरक्षा और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीएमसी का मामला: सूचना मिलते ही जिले में नाकाबंदी एवं सघन चैकिंग के निर्देश

चार दिन के नवजात का अपहरण, एक घंटे में मासूम बरामद, दो अपहरणकर्ता महिलाएं दबोचीं

सागर। दोपहर मेट्रो

बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) से अपहृत एक नवजात शिशु को पुलिस की सतर्कता और तकनीकी संसाधनों की वजह से बरामद कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी गोपालगंज राजेंद्र सिंह कुशवाहा को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के डीन प्रमेंद्र सिंह ठाकुर ने सूचना दी थी कि बीएमसी में भर्ती महिला के नवजात शिशु का अपहरण कर कोई महिला उठा ले गई है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शहर के सभी थाना प्रभारियों, चीता मोबाइल और डायल-100 वाहनों को अलर्ट कर पूरे जिले में तत्काल नाकाबंदी एवं सघन चैकिंग के निर्देश दिए। बीएमसी अस्पताल में लगे कैमरो को चेक किया गया जहां से एक महिला बच्चे को ले जाते हुए दिखाई दी इसको सभी पुलिस ग्रुप में शेयर किया गया । बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन सहित अन्य रास्तों पर चेकिंग लगाई गई। बस स्टैंड से सूचना मिली कि एक महिला बस में बैठकर गई है।

पुलिसकर्मियों की एकजुट दौड़ से मिली जीत

इसी बीच उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान को सूचना मिली कि सांईराम बस में दो महिलाएं नवजात शिशु के साथ कर्रापुर की ओर जा रही हैं। त्वरित कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड में लगे आरक्षक अनंत दहिया से बस कंडक्टर का नंबर प्राप्त कर लोकेशन ली गई एवं कन्फर्म किया गया कि महिलाएं बच्चे को लेकर बस में ही बैठी हैं। कर्रापुर चौकी प्रभारी के विद्यानंद यादव तथा थाना बंडा पुलिस बल को बस रोकने के लिए रवाना किया गया। कर्रापुर में बस को रोका गया, जिसमें दोनों महिलाएं नवजात को गोद में लिए मिलीं। बच्चे की फोटो परिजनों को भेजकर तस्दीक के बाद तत्काल एम्बुलेंस से बच्चे को बीएमसी लाकर परिजनों को सौंपा।

भाई की डांट से नाराज बहन ने ग्वालियर किले से लगा दी छलांग, घायल

ग्वालियर। सिकंदर कंपू वीरपुर बांध के पास रहने वाली युवती अपने भाई की डांट से नाराज होकर किले से कूद गई। गनीमत रही कि जिस स्थान से वह कूदी उसके आसपास काफी पेड़ और झाड़ियां थी। जिससे वह 40 फीट पर जाकर इन पेड़ों में फंस गई। इसकी जानकारी मिलते ही ग्वालियर थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंचा और युवती को करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार शाम 4.30 बजे के आसपास जानकारी लगी कि किला स्थित लाइट एंड साउंड पर बने सेल्फी पॉइंट से एक युवती कूदी है। इस पर स्थानीय लोगों के साथ युवती को रस्सी की मदद से उतारा गया। इस घटना में युवती के पैर में चोट आई है। ग्वालियर थाना टीआई मिर्जा आसिफ बेग ने बताया कि युवती ने पूछताछ में भाई से किसी बात पर झगड़ा होना बताया है। युवती के पिता को सूचना दी गई है। युवती किस बात से नाराज होकर भागी इसके बारे में परिजनों से भी जानकारी ली जाएगी।

भूपेंद्र सिंह ग्रामीण और महेश जाटव को शहर कांग्रेस अध्यक्ष किया नियुक्त

सागर। अखिल भारतीय कांग्रेस ने प्रदेश के जिलों में नए कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी की है। इसमें सागर शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव और ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा को बनाया गया है। इसके पहले राजकुमार पचौरी शहर और पूर्व सांसद आनंद अहिरवार ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष थे। कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष महेश जाटव युवक कांग्रेस सागर के अध्यक्ष और नगरनिगम के पूर्व पार्षद रह चुके है। महेश वर्तमान में कांग्रेस सेवादल के ग्रामीण अध्यक्ष हैं और उनकी पत्नी गुरुगोविंद सिंह वार्ड से पार्षद हैं। भूपेंद्र सिंह मोहासा लंबे समय से संगठन में सक्रिय वे पार्टी में प्रदेश पदाधिकारी रह चुके है। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत पूर्व में रायशुमारी हुई थी।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी की जयंती मनाई

सागर। मकरोनिया में अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 194वीं जन्म जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया के नेतृत्व में मकरोनिया चौराहा स्थित अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर लारिया ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी 1857 की क्रांति की प्रथम महिला स्वाधीनता संग्रामी थी। 1857 की क्रांति में रामगढ़ की रानी अवंती बाई रेवांचल में मुक्ति आंदोलन की सूत्रधार थीं जिससे भारत के इतिहास में एक नई क्रांति आई। त्याग,शौर्य और महिला सशक्तिकरण की अप्रतिम प्रतीक अवंतीबाई लोधी का मातृभूमि की रक्षा में समर्पित जीवन आज भी समाज के लिए महान प्रेरणा है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष मिहिलाल, पार्षदगण, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्तागण एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

एंबुलेंस बीमार... 108 एंबुलेंस को धक्का मार कर स्टार्ट करते हैं लोग, वीडियो हुआ वायरल

एम्बुलेंस के इंतजार में मरीजों को होना पड़ता है परेशान

सतना। दोपहर मेट्रो

स्वास्थ्य सेवा का क्या हाल है, यह समय-समय पर नजर ही आ जाता है। कहीं खाट पर गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने स्थानीय लोग नजर आ जाते हैं, तो कहीं असहाय बुजुर्गों को समय पर सेवा न मिलने से उनकी मृत्यु होने की खबर आ जाती है। इसकी एक वांगी और सामने आई है प्रदेश के सतना जिले में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संसाधन भी बीमार होने लगे हैं। इनका लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन इनके मेंटेनेंस पर लगता है स्वास्थ्य विभाग की ओर से जरा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कुछ लोग स्वास्थ्य विभाग की 108 एंबुलेंस वाहन सेवा को धक्का देकर स्टार्ट करने की मशक्कत कर रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर

सतना जिले का बताया जा रहा है। बता दें, सतना की 108 ऐम्बुलेंस को कुछ लोग धक्का लगाकर चालू स्टार्ट कर रहे हैं। जिसकी पहचान एंबुलेंस गाड़ी के नंबर से हुई है। यह सतना जिले का है। अब सोशल मीडिया इसका धक्का लगाते हुए वीडियो डलने के बाद मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लोग सवाल तो उठाएंगे ही। जाहिर है इतनी लचर व्यवस्था पर और खामियां उजागर होने पर सवाल उठाना तो लाजमी है।

स्वास्थ्य सेवाएं बीमार होने के साथ-साथ आम लोगों को प्रदेश में किस स्तर पर इलाज मिल रहा है और उनकी किस तरह से देखभाल की जा रही है, इसका उदाहरण पेश कर रही है सोशल मीडिया पर तैरती एक ऐसी तस्वीर जैसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा। मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा को मुंह चिढ़ाती यह तस्वीर किसी और जिले की नहीं बल्कि सतना जिले से ही आई है। इस पर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। इस तस्वीर को देखकर कोई भी यह कहने पर मजबूर हो जाएगा कि जैसे मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा सरकार ने आम जनता के हाथ पर ही सौंप दी है। ना डॉक्टर का पता है, ना किसी का मरीज के परिजन खुद ही अपने मरीज की सेवा में लगे हुए हैं।

आखिर कहां गई अर्चना तिवारी

ऑल इंडिया सर्चिंग जारी फिर भी कोई सुराग नहीं

कटनी। रक्षाबंधन त्योहार पर नर्मदा एक्सप्रेस में सवार होकर इंदौर से कटनी आ रही अर्चना तिवारी रहस्यमयी तरीके से लापता हो गई है। युवती को लापता हुए 11 दिन बीत चुके हैं लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला सका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए लापता अर्चना तिवारी को ऑल इंडिया खोजने के निर्देश दे दिए गए हैं। जीआरपी पुलिस ने भोपाल से लेकर बिलासपुर के रेलवे ट्रैक और जंगलों में सर्चिंग तेज कर दी है। जीआरपी की टीम भोपाल से लेकर बिलासपुर तक रेलवे ट्रैक, जंगल और खेतों में अर्चना तिवारी की तलाश कर रही है। राजधानी भोपाल-ओबेदुल्लागंज- बरखेड़ा के जंगलों में सर्चिंग शुरू कर दी गई है। जीआरपी पुलिस की 4 टीमें जंगल में युवती की तलाश में जुटी हुई है।

तीन घंटे की बारिश से पूरा शहर लबालब

जबलपुर। मानसून ने एक बार फिर कमबैक किया है। बीते दिन दोपहर में जबलपुर में झमाझम बारिश हुई। करीब 3 घंटे की बारिश से शहर में जलभराव की स्थिति हो गई। लिहाजा, मौसम विभाग ने आज फिर बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। जबलपुर में आज भी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में बारिश का सिस्टम फिर से एक्टिव हो गया है। जबलपुर, मंडला, डिंडोरी सहित अन्य जिलों में तेज बारिश होगी। मध्य प्रदेश के बीचोबीच से एक ट्रफ लाइन गुजर रही है, जिसके चलते साइक्लोनिक सरकुलेशन का भी असर है। इस वजह से मध्य प्रदेश के पश्चिमी और दक्षिण हिस्से में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। जबलपुर में तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. जहां अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई. तापमान 25.3 डिग्री दर्ज किया गया. दूसरी तरफ तेज हवा ने भी मौसम में बदलाव किया है. उत्तर-पूर्वी दिशा में हवा 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है. लिहाजा मौसम विभाग ने जिले में अनेक स्थानों पर वर्षा और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है.

घर से बहाना बनाकर निकले तीन बच्चों की तलैया में डूबने से मौत, मची चीख-पुकार

टीकमगढ़। । दोपहर मेट्रो

जिले के पलेरा थाना क्षेत्र से बड़ी घटना सामने आई है। जहां जवाहरपुरा गांव में शनिवार को तीन बच्चों की तलैया में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला और फिर पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई।

पूरा मामला शनिवार की दोपहर का बताया जा रहा है। यश (10), नैन्सी (12) और संस्कार (12) तीनों बच्चे बिना किसी को

बताए साइकिल से गांव से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित एक खेत की तलैया में नहाने के लिए गए थे। तभी नहाते समय 12 वर्षीय संस्कार की मौत हो गई। वहीं, यश और नैंसी की भी गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्चों की मां का रो-रोकर बुरा हाल है।पुलिस ने पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलेरा भेज दिया है। बताया जा रहा है कि तलैया एक खेत पर बनी हुई है। बारिश के दिनों उस जगह पर 7-8 फीट के करीब पानी जमा हो जाता है। इधर, परिजनों ने बताया कि बच्चे काफी देर तक घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरु की गई। उनके कपड़े तलैया किनारे पड़े मिले। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

आजीवन कारावास के 14 बंदियों को रिहा किया

सागर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य शासन द्वारा केन्द्रीय जेल सागर से आजीवन कारावास की सजा काट रहे 14 कैदियों को रिहा किया गया। इन कैदियों में 13 पुरूष व 01 महिला कैदी शामिल है। जेल विभाग की रिहाई नीति के अंतर्गत आजीवन कारावास से दंडित बंदियों को सजा में विशेष माफी प्रदन की गई है। रिहा किए गए बंदियों को जेल में निरूद्ध रहने के दौरान उनके पुनर्वास हेतु उन्हे टेलरिंग, कारपेन्ट्री, लौहारी, भवन मिस्त्री, भवन सामग्री निर्माण आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है जिससे रिहा होने के पश्चात् वह अपनी जीवकोपार्जन के साधन अर्जित कर सके। जेल अधीक्षक मानेन्द्र सिंह परिहार ने रिहा होने वाले बंदियों से उन्हे पुनः अपराध नहीं करने की अपील की है साथ ही उनसे अपेक्षा की है कि वह जेल में परिरूद्ध रहने के दौरान जो कौशल और प्रशिक्षण अर्जित किया है उसका उपयोग अपने परिवार के जीवकोपार्जन एवं अच्छे समाज के नव-निर्माण में सहभागी बनने के लिए करेंगें।

मेट्रो एंकर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर संस्कृति विभाग द्वारा किया गया आयोजन

हीरे और नौ रत्न जड़ित गहनों से हुआ भगवान युगल किशोर का श्रृंगार

पन्ना, एजेंसी ।

प्रदेश की हीरा नगरी पन्ना में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भगवान जुगल किशोर मंदिर के लिए खास रूप से मनाया गया। यहाँ प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा श्रीकृष्ण पर्व का भी आयोजन किया जा रहा है। वहीं जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी का करोड़ों के हीरे और नौरत्न जड़ित गहनों से श्रृंगार किया गया।

राजशाही जमाने में भगवान को समर्पित किए गए इन भारी भरकम गहनों और मथुरा-वृंदावन से लगाई गई विशेष पोशाक से श्रृंगार के बाद भगवान जुगल किशोर और राधारानी की प्रतिमा का सौंदर्य देखते ही बन रहा था। सदियों पुराने इन गहनों से श्रृंगार के बाद भगवान की एक झलक पाने के लिए लोग लालायित दिखे। दोपहर में आरती और भोग के बाद भगवान के पट श्रद्धालुओं के लिए बंद हुए। मंदिर के पुजारियों ने 3 बजे के बाद भगवान को मथुरा- वृंदावन से लाई गई विशेष पोषक पहनाई और नवरत्न जड़ित गहनों से श्रंगार किया। जन्माष्टमी महोत्सव के लिए भगवान जुगल किशोर मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। दूर से ही मंदिर का सौंदर्य निहारते ही बन रहा था। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

मथुरा-वृंदावन से मंगवाए वस्त्र

मिनी वृंदावन कहे जाने वाली नगरी पन्ना में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के लिए मथुरा-वृंदावन से भगवान के लिए वस्त्र और श्रृंगार सामग्री मंगवाई गई थी लेकिन पोशाक तैयार पन्ना में ही की गयी । सदियों पुराने गहनों से श्रृंगार के बाद भगवान के मुकुट में हीरे जड़ित कलगी लगाई गई। साथ ही भगवान श्री युगल किशोर जी को हीरा जडित सोने की मुरली धारण कराई गई और हीरा जड़ित दो सोने के बाजूबंद पहनाए गए। दो ब्रेसलेट में से एक में पन्ना रत्न जड़ा है तो दूसरे में सोने के बेस में नवरत्न जड़े हैं। राधारानी को हीरा जड़ित 14 ग्राम वजन की बंदी, साढ़े 13 ग्राम से अधिक हीरा जड़ित सोने की नथ 90 ग्राम सोने की एक जोड़ी सोने की पायल, नवरत्न जड़ित मोती की माला और दो नग बाजूबंद पहनाकर श्रृंगार किया गया।

वर्कलोड मैनेजमेंट पर बोले संजय मांजरेकर

बुमराह को खुद एडजस्ट करना होगा, भारतीय क्रिकेट को नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हालिया इंग्लैंड दौरे पर केवल तीन टेस्ट मैच खेल पाए थे। बूम बूम बुमराह ने लीड्स, लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था। जबकि एजबेस्टन और ओवल टेस्ट मैच का बुमराह हस्सा नहीं बन पाए थे। इन दोनों मैचों में उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया था। हालांकि बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम ये दोनों टेस्ट मैच जीतने में सफल रही थी।

जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इसी मुद्दे पर अब टीम इंडिया पूर्व क्रिकेटर संजय मंझरेकर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट को जसप्रीत बुमराह के लिए एडजस्ट होने की जरूरत नहीं है। बल्कि बुमराह को खुद अपनी फिटनेस और गेम के हिसाब से एडजस्ट करना होगा।

संजय मांजरेकर ने अंग्रेजी अखबार हिंदुस्तान टाइम्स के कॉलम में लिखा, यह खेल हमेशा हमें आईना दिखाता है। आप कितना भी चीजों की छुपाने की कोशिश करें, सच्चाई सामने आती है। यह किसी संयोग से कम नहीं कि जिन दो टेस्ट मैचों में बुमराह नहीं खेले, भारत ने वही जीते। मांजरेकर का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी टीम के लिए अपरिहार्य नहीं है। मांजरेकर ने जसप्रीत बुमराह पर सवाल उठाते हुए लिखा कि अगर वो लगातार दो टेस्ट मैच भी नहीं खेल सकते, तो उन्हें फ्रंटलाइन गेंदबाज के रूप में पिक नहीं करना चाहिए।

चयनकर्ताओं को कड़े फैसले लेने चाहिए-मांजरेकर

संजय मांजरेकर लिखते हैं, इस सीरीज ने साबित कर दिया कि विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों के ना होने के बावजूद भारत जीत सकता है। इसलिए सलेक्टर्स को सख्त फैसले लेने चाहिए।अगर वो लगातार दो टेस्ट नहीं खेल सकते, तो उन्हें भारतीय टीम के लिए पहली पसंद नहीं होना चाहिए। ऐसे खिलाड़ी जो पूरी तरह फिट हों और प्रदर्शन करने के लिए बेताब हों, उन्हें हमेशा मौका मिलना चाहिए। संजय मांजरेकर का मानना है कि अगर जसप्रीत बुमराह लंबे समय तक भारतीय टेस्ट क्रिकेट की सेवा करना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। मांजरेकर ने लिखा, महान खिलाड़ी वही होता है, जो 100 प्रतिशत फिट ना होने पर भी टीम के लिए योगदान दे सके। भारतीय क्रिकेट को बुमराह के लिए एडजस्ट होने की जरूरत नहीं है, बल्कि बुमराह को खुद एडजस्ट करना होगा। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में तीन मैच खेलकर 14 विकेट झटके थे, जिसमें दो पांच विकेट हॉल शामिल रहे। अब बुमराह को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाता है या नहीं, ये देखने वाली बात होगी। एशिया कप अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा।

ऋषभ पंत की चोट बनी बदलाव की वजह!

बीसीसीआई ने लागू किया सीरियस इंजरी रिप्लेसमेंट रूल, दो और भी नियम बदले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में मैनचेस्टर टेस्ट मैच के दौरान दाएं पैर में गंभीर चोट लग गई थी। पंत तब क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारना चाहते थे, लेकिन वोपूरी तरह चूक गए और इंजर्ड हो गए। इंजरी के चलते पंत उस मुकाबले में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। साथ ही उन्हें ओवल टेस्ट मैच से भी बाहर होना पड़ा था। ऋषभ पंत अब एशिया कप 2025 से भी बाहर रहेंगे।

फिर ओवल टेस्ट मैच के दौरान इंग्लिश तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स भी बायां कंधा चोटिल करवा बैठे थे। पंत और वोक्स की इंजरी की बाद आईसीसी के मौजूदा सब्स्टीट्यूट नियमों को लेकर खूब बहस हुई थी। बता दें कि यदि किसी खिलाड़ी को इंजरी होती है, तो उसकी जगह आने वाला खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग के योग्य नहीं होता है। कन्कशन सब्स्टीट्यूट की अनुमति तभी दी जाती है, जब खिलाड़ियों को सिर या आंख में चोट लगे। कन्कशन सबस्टीट्यूट बैटिंग या बॉलिंग करने के योग्य होता है। ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स को सिर या आंख में चोट नहीं लगी थी, इसलिए उनके रिप्लेसमेंट को बैटिंग या बॉलिंग की अनुमति नहीं मिली थी। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर का मानना था कि अगर कोई खिलाड़ी मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल होता है, तो उसके लिए सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी का विकल्प मिलना चाहिए।

क्या है सीरियस इंजरी रिप्लेसमेंट रूल?

अगर किसी खिलाड़ी को खेल के दौरान फ्रैक्चर, गहरी या किसी बाहरी चोट की वजह से मैच छोड़ना पड़ता है, तो टीम मैनेजर बीसीसीआई के मैच रेफरी से सीरियस इंजरी रिप्लेसमेंट की अनुमति मांग सकता है। हालांकि नया खिलाड़ी लाइक फॉर लाइक होना चाहिए। जैसे-कोई गेंदबाज चोटिल हुआ है तो उसकी जगह गेंदबाज ही आएगा।

रिप्लेसमेंट प्लेयर की तभी अनुमति दी जाएगी। जब मैच रेफरी और ऑन-फील्ड अंपायर इसे गंभीर चोट मानें। यदि सब्स्टीट्यूट लिस्ट में कोई अन्य विकेटकीपर नहीं है, तो रेफरी किसी अन्य खिलाड़ी को विकेटकीपर के रूप में अनुमति दे सकता है। चोटिल खिलाड़ी और उसका रिप्लेसमेंट दोनों को मैच में खेला हुआ माना जाएगा और उनके आंकड़े रिकॉर्ड में दर्ज होंगे।

बता दें कि बीसीसीआई इस नियम को फिलहाल सफेद गेंद क्रिकेट (विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) में लागू नहीं कर रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में यह लागू होगा या नहीं, इसपर फैसला लेना बाकी है।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में शॉर्ट रन से जुड़े नियम में भी बदलाव किए हैं। अगर बल्लेबाज ऐसा दिखाते हैं कि उन्होंने रन पूरा किया है, लेकिन वास्तव में उनमें से कोई एक जानबूझकर अपनी क्रीज तक नहीं पहुंचता, तो इसे डिलिबरेट शॉर्ट रन माना जाएगा। अंपायर इस मामले में उतने ही रन गिनते हैं, जितने बल्लेबाजो ने सही तरीके से पूरे किए हैं। और अगर रन अधूरा रह गया हो, तो वह रन नहीं जोड़ा जाता है।

गंभीर और स्टोक्स आए थे आमने-सामने

गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच की समाप्ति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अगर चोट साफ दिखाई दे रही है और खिलाड़ी बिल्कुल फिट नहीं है, तो अंपायर और मैच रेफरी की मंजूरी से उसे बदला जाना चाहिए। यह नियम काफी जरूरी है ताकि मुकाबला 11 vs 11 बना रहे, ना कि 10 vs 11।

वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स गौतम गंभीर की बातों से सहमत नहीं दिखे थे। बेन स्टोक्स ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच के बाद कहा था, आप 11 खिलाड़ी चुनते हैं, चोट खेल का हिस्सा है। अगर ऐसा हुआ तो टीमें कई तरह से फायदा उठाने की कोशिश करेंगीय कन्कशन रिप्लेसमेंट ठीक है, लेकिन इंजरी रिप्लेसमेंट बिल्कुल नहीं होना चाहिए। अब ऋषभ पंत की इंजरी के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (क्ष्ष्टद्ब) ने आगामी घरेलू सीजन (2025-26) के लिए प्लेइंग कंडीशन्स में बड़े बदलाव किए हैं। अब मल्टी-डे क्रिकेट (रणजी ट्रॉफी और ष्ट्य नायडू ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट) मैचों में यदि खिलाड़ी को मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है, तो उसके स्थान पर उतरा खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग कर सकेगा। यह सीरियस इंजरी रिप्लेसमेंट रूल कुछ हद तक कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम से मिलता-जुलता है।

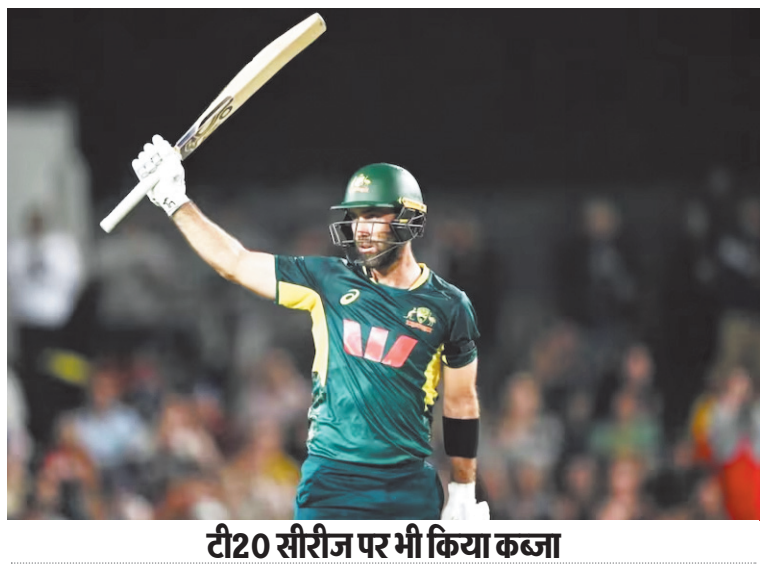

टी20 सीरीज पर भी किया कब्जा

ग्लेन मैक्सवेल ने पलटी बाजी ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराया

केर्न्स, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को केर्न्स के कैजली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट से रोमांचक जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 173 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने एक गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमा लिया।

तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो ग्लेन मैक्सवेल रहे। मैक्सवेल ने 8 चौके और दो चौके की सहायता से 36 बॉल पर नाबाद 62 रन बनाए। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 10 रन बनाने थे। लुंगी एनगिडी के उस ओवर में मैक्सवेल ने पहली गेंद पर डबल लेने के बाद अगली बॉल पर चौका लगाया। फिर एनगिडी की पांचवीं गेंद को भी चौके के लिए भेजकर मैक्सवेल ने अपनी टीम को जीत दिलाई। टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श ने शानदार शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। मार्श ने 5 छक्के और तीन चौके की मदद से 37 गेंदों पर 54 रन बनाए। वहीं हेड ने 3 चौके की मदद से 18 बॉल पर 19 रनों का योगदान दिया।

डेवाल्ड की तूफानी फिफ्टी

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए सात विकेट पर 172 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 6 छक्के और एक चौके की मदद से 26 गेंदों पर 53 रन बनाए। वहीं रासी वैन डर डुसेन 3 चौके की मदद से 26 बॉल पर 38* रनों का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (25 रन) और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस (24 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। एडम जाम्पा और जोश हेजलवुड को दो-दो सफलताएं हासिल हुईं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

इंडियन आर्मी में जाना चाहती थीं भूमि पेडनेकर की मां

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपनी मां का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो से पता चला है कि उनकी मां सुमित्रा हुड्डा देश की सेवा करना चाहती थीं, वो इंडियन आर्मी में जाना चाहती थीं, लेकिन उनकी ये इच्छा अधूरी रह गई। इस वीडियो को शेयर करते हुए भूमि पेडनेकर ने लिखा, मां जब फैक्ट्री जा रही थीं तो उनका एक भावुक होते हुए वीडियो मैंने बनाया। इस वीडियो में वह बता रही हैं कि वो इंडियन आर्मी में जाना चाहती थीं। इस वीडियो में भूमि की मां सुमित्रा पेडनेकर कहती नजर आ रही हैं, 70 की हो गई हूं, मैं अपने देश को बहुत प्यार करती हूं। हमारे समय में लड़कियों को इंडियन आर्मी में सर्विस नहीं मिलती थी। मेडिकल को छोड़कर किसी अन्य विभाग में महिलाएं यहां सेवा नहीं देती थीं, मैंने इसके लिए लड़ाई लड़ी, क्योंकि मैं एक पैराट्रूपर थी। मैंने दो रिपब्लिक डे परेड में हिस्सा लिया था। जबकि इसमें लोगों को एक भी बार जाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने आगे कहा, मैंने इसके लिए अधिकारियों के सामने आवाज भी उठाई। मैंने उनसे पूछा कि आप हमें इंडियन आर्मी में क्यों नहीं ले जाते हैं। हमारी ट्रेनिंग का क्या फायदा। हमने इतनी कड़ी ट्रेनिंग की है। जैसा की आप जानते हो कि एक पैराट्रूपर के रूप में आपको कड़ी मेहनत करनी होती है और रिपब्लिक डे के लिए सेलेक्ट होना भी बड़ा मुश्किल होता है।

कृष्णा श्रॉफ ने छोरियां चली गांव में जन्माष्टमी परफॉर्मेंस के साथ स्टेज फियर को किया दूर

ज़ी टीवी के रियलिटी शो छोरियां चली गांव में कृष्णा श्रॉफ की सफर ने बमूलिया में हाल ही में हुए जन्माष्टमी समारोह के दौरान एक प्रेरणादायक मोड़ ले लिया। शो के पहले ही सप्ताह में कृष्णा ने अपने स्टेज फियर और घबराहट के बारे में खुलकर बात की थी। जो कभी दर्शकों के सामने परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं, उन्होंने सिर्फ एक हफ्ते में एक संपूर्ण जन्माष्टमी स्पेशल डांस रूटीन को खूबसूरती से पूरा किया।

कृष्णा ने बसेरा में प्रस्तुति न दे पाने पर चिंता और मंच पर आने के डर को सामान्य बनाने की कोशिश में खुलकर अपनी चिंता और मंच पर आने के डर के बारे में बात की है। लेकिन इस हफ्ते उन्हें गांववालों के सामने परफॉर्म करना था – और यही चुनौती उनके सबसे बड़े डर के सामने खड़े होने का मौका बन गई। जो शुरुआत में एक लकवाग्रस्त चिंता के रूप में हुई थी, वह व्यक्तिगत विकास के अवसर में बदल गई, क्योंकि कृष्णा ने भगवान कृष्ण के जन्माष्टमी समारोह की उत्सवी भावना को अपनाने के लिए अपनी कंफर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर काम किया।

रणविजय ने की कृष्णा की तारीफ

व्यक्तिगत सीमाओं को पार करने और स्थानीय परंपराओं का सम्मान करने के उनके सच्चे प्रयास ने गांववालों और शो के बाकी प्रतियोगियों के दिल को छू गई। रणविजय ने कृष्णा की तारीफ करते हुए यहां तक कहा कि अब उनके पिता जैकी श्रॉफ के पास अब एक टाइगर (श्रॉफ) और एक शेरनी दोनों हैं। रणविजय ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, भिडू के पास एक टाइगर तो है ही, लेकिन अब एक शेरनी भी है। कृष्णा की यह यात्रा – डर से आत्मविश्वास की ओर – सीज़न के सबसे प्रेरणादायक पलों में से एक बन गई है। यह उनके दृढ़ संकल्प और विकास का प्रतीक बनकर उभरी है – और एक फुल-सर्कल मोमेंट भी, इस फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर के लिए।

सोनू सूद ने एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। बिहार के दरभंगा के दो भाइयों का वीडियो वायरल होने के बाद, जिनमें एक भाई छोटे भाई को साइकिल पर तिरंगा लेकर स्कूल छोड़ने जा रहा था, सोनू सूद ने उनकी पढ़ाई का खर्च उठाने का फैसला किया है।

मासूम बिहारी बच्चों के मसीहा बने सोनू सूद

दो भाई से कहा नंबर भेज रहा हूं, बस्ता बांध लो वीडियो देख पिघला दिल

सोनू सूद फिल्म इंडस्ट्री के उन स्टार्स में से एक हैं जिनकी फिल्मों ने जितनी सफलता हासिल नहीं कीं, उनके काम में उन्हें हीरो बना दिया। एक्टर हमेशा से ही गरीब और बेबस लोगों की मदद के लिए खड़े रहते हैं। उनकी यही बात उन्हें पूरे देश का प्यारा बनाती है। सोनू सूद ने कोरोना के वक्त से ही नेकी कर रहे हैं और एक बार फिर से उन्होंने दिल जीत लिया है। दरअसल बिहार के दरभंगा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें दो भाई साइकिल पर तिरंगा लिए जा रहे हैं। इनमें से बड़ा वाला साइकिल चला रहा है औ छोटा पीछे बैठा है। पूछे जाने पर बड़े भाई ने बताया कि पिता की मृत्यु हो चुकी है। मां मुंबई में साफ-सफाई का काम करती है और घर में बड़ी बहन सब संभालती है। लड़के की पढ़ाई छूट गई है और वो टोपी की फैक्ट्री में काम करता है लेकिन उसने प्रण लिया है कि पैसों की वजह से छोटे भाई की पढ़ाई नहीं छूटेगी।

सोनू सूद करवाएंगे भाइयों की पढ़ाई

बस ये वीडियो स्वतंत्रता दिवस के दिन ही वायरल हो गया और सोनू सूद तक जा पहुंचा। एक्टर ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, सोमवार से दोनों भाई स्कूल जाएंगे। नम्बर भेज रहा हूं। बस्ता बांध लो। उनके इस नेक काम की ढेरों तारीफ हो रही है। सोनू सूद अब इन दोनों भाइयों की पढ़ाई का खर्च उठाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुलेआम इसकी घोषणा कर दी है। उनके फैंस उनके इस नेक काम पर गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। कमेंट सेक्शन में भाइयों को भी खूब प्यार मिल रहा है। इस बीच, सोनू सूद ने स्वतंत्रता दिवस भी खास अंदाज में मनाया और अटारी-वाघा बॉर्डर की फोटोज शेयर कीं। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए, सोनू तिरंगा थामे और सैनिकों के साथ पोज देते नजर आए। अपनी पोस्ट में, उन्होंने लिखा, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने 15 साल की छात्रा का अपहरण कर किया दुष्कर्म

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिपलानी के आनंद नगर इलाके से 15 साल की स्कूली छात्रा का अपहरण कर अज्ञात स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। करीब छह माह पूर्व पीड़िता की मुलाकात इंस्टाग्राम पर आरोपी से हुई थी। आरोपी ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया और दुष्कर्म करने लगा। घटना का खुलासा दो दिन पूर्व उस समय हुआ जब पीड़िता के पेट में तेज दर्द होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अपहरण व बलात्कार समेत पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक 15 साल की किशोरी दसवीं कक्षा की छात्रा और आंनद नगर के एक स्कूल में पढ़ती है। मार्च 2025 में इंस्टाग्राम पर छात्रा की दोस्ती सुरेन्द्र रजक (25) नामक शख्स से हो गई। सुरेन्द्र रजक ने सोशल मीडिया पर सुरेन्द्र प्रजापति नाम से अपनी आईडी बनाई थी। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। इस बीच 15 मार्च 2025 को आरोपी सुरेन्द्र ने किशोरी को बहाने से आनंद नगर के एक इलाके में बुलाया और बहला-फुसलाकर अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर किसी अज्ञात स्थान पर ले गया। अज्ञात स्थान पर ले जाकर आरोपी ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया। पुलिस का कहना है कि इसके बाद भी आरोपी ने दो-तीन बार किशोरी के साथ गलत हरकत की। दो दिन पहले पीड़ित छात्रा के पेट में तेज दर्द हुआ। मां उसे अस्पताल ले गई। पूछताछ करने पर पीड़िता ने मां को सारी बात बता दी। पुलिस ने आरोपी सुरेन्द्र रजक को हिरासत में ले लिया है।

तबियत खराब होने पर हुआ खुलासा

एक दिन पहले इलाज के लिए भर्ती हुआ था

फ्रेक्चर अस्पताल की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर मरीज ने की आत्महत्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिपलानी पेट्रोल पंप के सामने बालाजी फ्रेक्चर अस्पताल की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर मरीज ने आत्महत्या कर ली। एक दिन पहले उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह दिमागी रूप से बीमार था। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक दाता कॉलोनी एयरपोर्ट रोड कोहेफिजा निवासी अक्षत मित्तल पुत्र अजय मित्तल (37) की दिमागी हालत पूरी तरह से ठीक नहीं थी। परिजनों ने 14 अगस्त को उसे पिपलानी पेट्रोल पंप के सामने बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन 15 अगस्त की सुबह करीब सात बजे अक्षत ने अस्पताल की दूसरी मंजिल पर जाकर नीचे छलांग लगा दी। सिर में आई गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

48 दिन बाद सामने आया युवक की हत्या का वीडियो, नसीम बन्ने ने मारी थी गोली

दोहपर मेट्रो, भोपाल। छोला मंदिर की लीलाधर कॉलोनी में हुए अमित वर्मा हत्याकांड का वीडियो 48 दिन बाद सामने आया है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि अमित दोनों पक्षों के बीच खड़ा होकर विवाद शांत कराने का प्रयास कर रहा है। लेकिन उसी दौरान नसीम बन्ने खां ने उस पर गोली चला दी। वीडियो में मृतक का दोस्त राजा खटीक धारदार फरसा लहराता हुआ नजर आ रहा है। सिर व पेट में दो गोलियां लगने से अमित की मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार घटना 28 जून की रात की है। घटना उस समय हुई जब अमित अपने दोस्त आशू खटीक के जन्मदिन पर शामिल होने पहुंचा था। केक काटने के बाद सभी सडक़ पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार होकर राजा खटीक और नसीम के गिरोह आमने-सामने आ गए। राजा खटीक ने हाथ में फरसा लेकर नसीम के साथियों को खदेड़ने की कोशिश की। इसी बीच खुद को लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा बताने वाला नसीम बन्ने खां ने फायरिंग कर दी। उसने अमित को निशाना बनाकर गोली मारी और फरार हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि विवाद की जड़ राजा खटीक और वसीम-नदीम के बीच लूट की रकम के बंटवारे को लेकर हुआ झगड़ा था। बदला लेने के इरादे से नसीम अपने साथियों के साथ राजा को मारने आया था लेकिन बीच-बचाव में निर्दोष अमित वर्मा (22) की जान चली गई।

बैरसिया, गंजबासौदा, ग्वालियर, भिंड व आगरा में काटी फरारी

पेट्रोल पंप पर कानून के छात्र की नृशंस हत्या के तीनों आरोपी गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

इंदौर से भोपाल घूमने आए कानून के छात्र की अयोध्या बायपास के एक पेट्रोल पंप पर चाकू से गोदकर की गई नृशंस हत्या के मामले में फरार चल रहे तीनों आरोपियों को अयोध्या नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बीते 11 दिन से आरोपी बैरसिया, गंजबासौदा, ग्वालियर, भिंड व आगरा में फरारी काटकर भोपाल पहुंचे थे। आरोपियों को डर था कि पुलिस उनका एनकाउंटर करने की तैयारी में है।

पुलिस के मुताबिक महावीर अपार्टमेंट अयोध्या नगर निवासी अनमोल दुबे (23) विगत 6 अगस्त की सुबह करीब चार बजे अपने दोस्त संस्कार बबेले के साथ दोस्त की एक्टिवा में पेट्रोल डलाने अयोध्या बायपास स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचे थे। उसी दौरान पहले पेट्रोल डलाने की बात पर एक एक्टिवा पर सवार तीन लडक़ों से विवाद हो गया। तीनों लड़कों ने गाली-गलौज करते हुए अनमोल व संस्कार के साथ मारपीट की और इस बीच एक लड़के ने अपनी कमरे में फंसा चाकू निकालकर संस्कार बबेले के माथे व पेट पर प्राणघातक वार कर दिए। अनमोल पर भी बदमाशों ने चाकू से हमला किया और एक्टिवा पर सवार होकर भाग निकले। घायल अनमोल ही लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल संस्कार बबेले को अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया संस्कार बबेले पुत्र आरपी बबेले (22) मूलरूप से बीना का रहने वाला था और इंदौर में बीएल एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। वह घूमने के इरादे से इंदौर से भोपाल अपने दोस्त अनमोल दुबे के घर आया था।

फाइल फोटो

एनकाउंटर के डर से भोपाल लौटे

अनमोल ने किया संस्कार को बचाने का प्रयास

पुलिस ने बताया कि अनमोल दुबे इंजीनियरिंग का छात्र है। घटना के समय जब आरोपी संस्कार बबेले पर चाकू से जानलेवा हमला कर रहे थे, तब अनमोल ने बीच में आकर अपने दोस्त को बचाने का प्रयास किया। तभी उनमें से दो आरोपियों ने तलवारनुमा छुरी से अनमोल पर हमला कर दिया था। उसी दौरान तीसरे आरोपी ने संस्कार पर धारदार हथियार से कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों ने ईट-पत्थर से भी मारपीट की थी।

दोस्त से एक हजार रुपए ऑनलाइन मंगाए

विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे दर्जनों कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज से पुलिस को एक्टिवा के रजिस्ट्रेशन नंबर की जानकारी मिली। गाड़ी नंबर के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान की गई। घरों पर दबिश देने पर पता चला कि घटना के बाद से फरार हैं और उनके मोबाइल भी बंद हैं। इस बीच बैरसिया की एक मोबाइल शॉप से बदमाशों ने अपने एक दोस्त से संपर्क कर ऑनलाइन एक हजार रुपए मंगाए और एक्टिवा से गंजबासौदा पहुंचे। गंजबासौदा मेंहत्या में इस्तेमाल एक्टिवा रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ा कर दी। वहां से तीनों ट्रेन से ग्वालियर पहुंचे और भिंड के अटेर क्षेत्र में फरारी काटने की योजना बनाई।

भिंड के बदमाश ने हत्यारों को दिया आसरा

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि घटना से कुछ दिन पूर्व भिंड का एक बदमाश फरारी काटने भोपाल आया था और तीनों आरोपियों ने उसकी मदद की थी। तब उसने कहा था कि कभी भी किसी मामले में भिंड आना हो तो बताना। वहां तुम्हें कोई हाथ भी नहीं लगा सकेगा। लिहाजा हत्या के तीनों आरोपी फरारी काटने से ग्वालियर से भिंड रवाना हो गए। लेकिन मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस भिंड भी पहुंच गई। पुलिस को चकमा देकर बदमाश वहां से फरार होने में कामयाब हो गए। खुद को भिंड का डॉन कहने वाला बदमाश हत्या के तीनों आरोपियों को लेकर आगरा पहुंचा। भोपाल पुलिस वहां तक पहुंच गई। एक बार फिर आरोपी पुलिस को चकमा देने में कामयाब हो गए। वहां से भिंड के बदमाश के साथ राजस्थान जाने की योजना बनाई जाती है लेकिन आसपास के लोगों से पता चलता है कि पुलिस उनकी हर जगह खोजबीन कर रही है औ राजस्थान से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच भिंड के बदमाश को लगा कि तीनों के चक्कर में वह खुद भी पुलिस के हत्थे चढ़ जाएगा। इसलिए उनका साथ छोड़ दिया।

कई अपराध पहले से दर्ज

हत्या के आरोपियों को लगा कि अब कहीं भी पनाह मिलना मुश्किल है और पुलिस कभी भी उनका एनकाउंटर कर सकती है। लिहाजा वे भोपाल लौट आए। भोपाल आने के बाद तीनों आरोपी अलग-अलग ठिकानों सीहोर, कुबेरेश्वर धाम, बालमपुर, मंडीदीप व बैरसिया आदि जगहों पर छिपे रहे। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीनों आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के नाम संजय उर्फ संजू (24) निवासी पूजा कॉलोनी करोंद, शुभम (24) निवासी करोंद निशातपुरा व दीपक (25) निवासी करोंद निशातपुरा बताए गए हैं। आरोपी संजय हत्या व हत्या का प्रयास के मामले में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ एक दर्जन से अधिक अपराध पंजीबद्ध हैं।

315 बोर बंदूक की सफाई करते समय चली गोली

दरवाजे को छेदकर भीतर सो रहे 16 व 13 साल के दो बेटों को लगे छर्रे, गंभीर घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कोटरा चौपड़ा में 14 अगस्त की रात 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक की सफाई करते समय किसान से अचानक गोली चल गई। कमरे के दरवाजे को छेदकर गोली भीतर दीवार पर लगी और दीवार से टकराकर छर्रे बिस्तर पर सो रहे 16 और 13 साल के दो बेटों को जा लगे। चेहरे व जांघ पर छर्रे लगने से दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल बच्चों की मां की शिकायत पर पति के खिलाफ लापरवाही बरतने से गोली चलने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। बंदूक जब्त कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद धाराओं में इजाफा किया जा सकता है।

पुलिस के मुताबिक ग्राम कोटरा चौपड़ा थाना गुनगा निवासी संतोष सिंह जाट खेती-किसानी करते हैं। उनकी पत्नी रचना जाट (36) ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह गृहणी हैं। उनके दो बेटे हैं। बड़े बेटे का नाम आदित्य जाट (16) और छोटे बेटे का नाम कार्तिक जाट (13) है। विगत 14 अगस्त की रात करीब 11 बजे वह अपने दोनों बच्चों के साथ अपने कमरे में सो रही थीं। दरवाजा अटका हुआ था। पति संतोष सिंह बाहर बैठकर अपनी 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक की सफाई कर रहे थे। तभी सफाई करने के दौरान अचानक बंदूक से गोली चल गई। घर के दरवाजे में छेद करती हुई गोली अंदर कमरे की दीवार से टकराई और बंदूक की गोली के छर्रे उछलकर बिखर गए। दीवार से टकराकर उछले गोली के छर्रे बिस्तर पर सो रहे आदित्य सिंह की दाहिनी जांघ और सीने व कार्तिक की बायीं आंख के पास जा लगे। छर्रे लगने से दो बुरी तरह घायल हो गए। लहूलुहान हालत में उन्हें पीरगेट स्थित चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है। फरियादिया रचना जाट का कहना है कि पति की लापरवाही से गोली चली है। वह गोली भरकर बंदूक की सफाई कर रहे थे।

छर्रे सीधे लगते तो हो सकती थी अनहोनी

थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर का कहना है कि कमरे का दरवाजा साधारण प्लाईवुड का था और भिड़ा हुआ था। संतोष सिंह से लापरवाही हुई कि वह कारतूस लोड कर बंदूक की सफाई कर रहा था। यदि दरवाजा बंद नहीं होता और छर्रे सीधे लगते तो अनहोनी हो सकती थी। दोनों बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सकों का कहना है कि गन पाउडर की वजह से इंफेक्शन कभी भी तेजी से फैल सकता है, इसलिए उन्हें आब्जर्वेशन में रखा गया है। आरोपी संतोष जाट के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। जमानतीय अपराध होने की वजह से थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया गया है।

अंग्रेजी से भयभीत बीटेक छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित बाल विहार कॉलोनी में रहने वाले बीटेक के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने पिता से माफी मांगी है और कहा है कि मैं आपके भरोसे व उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊंगा। उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। दूसरी ओर उसके पिता का कहना है कि उनका बेटा हिन्दी मीडियम से पढ़ा है, उसके लिए अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई करना दूभर हो रहा था।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से मुलताई निवासी प्रवीण भादे (19) यहां निजी कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था और बाल विहार कॉलोनी में दूसरे लडक़ों के साथ कमरा शेयर करके रह रहा था। उसके पिता मुलताई में हम्माली करते हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे तक साथ रहने वाले लडक़ों ने उसे कमरे पर देखा था। उसके बाद लडक़े बाहर टहलने चले गए। रात करीब 12 बजे लौटे तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। खिडक़ी से झांककर देखने पर प्रवीण फांसी के फंदे पर लटका दिखा। फौरन पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

हिंदी मीडियम का छात्र था, सुसाइड नोट में पिता से मांगी माफी

फंदे पर लटका मिला युवक का शव, महिला से थे संबंध

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के बर्रई गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके एक महिला से संबंध थे। उसने अपने परिजनों ने महिला से शादी करने की इच्छा भी व्यक्त की थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। मूलरूप से सिवनी छपारा निवासी नोबद सिंह पंचेश्वर (33) मजदूरी करता था और यहां बर्रई गांव में अकेला रहता था। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब पौने एक बजे पड़ोसी ने देखा कि नोबद सिंह के कमरे की लाइट जल रही है। अमूमन वह इस समय तक लाइट बंद कर सो जाता था। पड़ोसी ने नोबद सिंह को आवाज दी लेकिन भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। उसने दरवाजे को धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। भीतर नोबद सिंह फांसी के फंदे पर लटका दिखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान आने के बाद आत्महत्या के कारण सामने आ सकते हैं।

मेट्रो एंकर लहूलुहान हालत में दोस्त को कॉल कर घटनास्थल पर बुलाया, इलाज के दौरान मौत

ड्यूटी से घर लौट रहे बीटेक छात्र की चाकू मारकर हत्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित बंसल कॉलेज के दीवार के पास मेन रोड पर गुरुवार रात बीटेक छात्र की एक्टिवा सवार दो बदमाशों ने चाकू मारकर नृशंस हत्या कर दी। घटना के समय छात्र ड्यूटी कर घर लौट रहा था। लहूलुहान हालत में छात्र ने मोबाइल से अपने दोस्त को कॉल कर घटनास्थल पर बुलाया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्राम कनवाड़ मूसादेही उमरेठ जिला छिंदवाड़ा निवासी नीतेश चन्द्रवंशी (22) रायसेन रोड स्थित निजी कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र था और कोकता क्रमांक-एक स्थित महाकाल सिटी में किराए के कमरे में रहता था। उसके साथ प्रशांत राजपूत नामक दोस्त भी रहता था। पढ़ाई के साथ-साथ नीतेश एक वायर कंपनी में पार्ट टाइम नौकर भी करने लगा था। विगत 14 अगस्त की रात करीब पौने 12 बजे वह ड्यूटी करके घर लौट रहा था। कंपनी की बस ने उसे घर से कुछ दूरी पर छोड़ दिया। रोजाना की तरह वह पैदल घर की ओर चल दिया। इस बीच बंसल कॉलेज की बाउंड्री वॉल के सामने मेन रोड पर पीछे से आ रही एक्टिवा पर सवार दो बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गए। नीतेश की पीठ व कमरे में गंभीर चोटें आई थीं। लहूलुहान हालत में नीतेश ने अपने दोस्त प्रशांत को कॉल कर मौके पर बुला लिया था।

पुरानी रंजिश या लड़की का विवाद?

थाना प्रभारी उमेश चौहान ने बताया कि वारदात के पीछे कोई पुरानी रंजिश या लड़की से जुड़ा होने का अनुमान है। हालांकि मृतक ने अपने दोस्त से साफ कहा था कि हमलावरों से उसका कोई विवाद नहीं था। पुलिस मृतक की कॉल डिटेल निकलवा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

जान बचाकर भागा था नीतेश

मृतक नीतेश का दोस्त प्रशांत राजपूत भी उसी वायर कंपनी में काम करता है, जहां नीतेश काम करता था। प्रशांत ने पुलिस को बताया कि उसके पास नीतेश का फोन आया था। नीतेश ने उससे कहा कि किसी ने उसे चाकू मार दिया है। वह जल्दी मौके पर पर जाए। प्रशांत फौरन मौके पर पहुंचा। नीतेश को चाकू के गहरे घाव लगे थे। उसने बताया कि हमला होने के बाद नीतेश जान बचाकर वहां से भागा था। वह आरोपियों को नहीं पहचानता और न ही कोई विवाद हुआ था। पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि हमला लूटपाट के इरादे से किया गया हो। हालांकि नीतेश का मोबाइल व अन्य सामान उसके पास ही मिले हैं।

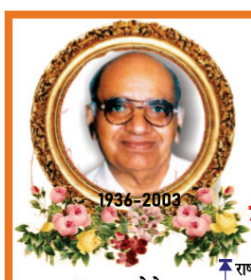

श्रद्धांजलि
बाइसवां पुण्य स्मरण
हमारे जीवन संबल और मार्गदर्शक, शिक्षाविद, वरिष्ठ समाजसेवी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
(भोपाल रियासत विलीनीकरण आन्दोलन सहयोगी)
स्व. श्री गंगा प्रसाद गुप्ता
(नौगरैया)
1936-2003
स्मरण में : योगेश गुप्ता (पुत्र)
राष्ट्रीय अध्यक्ष : निर्मल-गंगा चेरिटेबल संस्था समिति, भोपाल
का. राष्ट्रीय अध्यक्ष : गहोई ग्लोबल चेंबर्स ऑफ कॉमर्स (अ.भा.गहोई वैश्य महासभा) झांसी
प्रदेश का. अध्यक्ष : भारतीय व्यापार मंडल, दिल्ली
प्रदेश उपाध्यक्ष : हयूमन राईट्स एसोसियेशन ऑफ इंडिया दिल्ली
प्रदेश उपाध्यक्ष : वैश्य महासम्मेलन, म.प्र.
नागेश गुप्ता (पुत्र)
अध्यक्ष : श्री गहोई वैश्य समाज, उज्जैन
अध्यक्ष : श्री गहोई परमार्थ ट्रस्ट रजि., भोपाल
मैनेजिंग डायरेक्टर: हर्ब एज हेल्थ केयर प्रा. लि., उज्जैन
डॉ मुकेश गुप्ता एवं धर्मेश गुप्ता (पुत्र)
श्रीमती क्षमा, दीप्ती, संगीता, सीमा गुप्ता (पुत्रवधु) श्रीमती नूतन गुप्ता भोपाल (पुत्री), श्री गोपाल गुप्ता इन्दौर (दामाद)
मोहित -नितिका, दिव्यांशु -ऋषिका (पौत्र -पौत्रवधु), श्रीमती उज्जवला -श्री विवेक गुप्ता (पौत्री -पौत्रीदामाद)
डॉ. मिली, हिमांशु, हर्ष, स्वराज एवं सिमरन (पौत्र -पौत्री) रान्या (पड.पौत्री) एवं समस्त नौंगरैया परिवार
होटल मोहित रीजेन्सी 189-A/214 एमपी नगर, जोन-2, निकट सरगम सिनेमा, भोपाल

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022